RNI No.
RJBIL/26/A5611

जयपुर, राजस्थान
मौसम

अधिकतम	न्यूनतम
31.0°C	25.0°C

सूर्योदय	सूर्यास्त
5:44 AM	7:22 PM

दैनिक
खबरों की दुनिया में आपका भरोसेमंद साथी
ज़ूम न्यूज़ राजस्थान

संपर्क करें
9461119998
info@zoomnews.in
www.zoomnews.in

वर्ष: 01 | अंक: 09 | पृष्ठ: 8 | मूल्य: ₹2.00 | जयपुर, शुक्रवार 24 जुलाई, 2026 | जयपुर, राजस्थान | राज्य: 01 | अंग्रेजी/हिन्दी (द्विभाषिक दैनिक)

धरना नीति के बाद अब राहुल की 'गांधीगीरी', स्मृति भवन गए, महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आवास पर गुरुवार को INDIA गठबंधन की अहम बैठक हुई और बैठक के बाद सभी नेता बस में बैठकर गांधी स्मृति भवन पहुंच गए, जो राहुल के घर से करीब 2 किलोमीटर दूर है। वहां राहुल गांधी महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के बाद गांधी स्मृति से रवाना हो गए और उसके बाद सभी विपक्षी नेता भी वहां से निकल गए, जिसमें प्रियंका गांधी, सुप्रिया सुले और मीसा भारती समेत कई विपक्षी नेता शामिल थे। प्रियंका गांधी ने कहा, 'हम सरकार को ये संदेश देने आए हैं कि इसी देश में महात्मा गांधी जी ने किसानों और गरीबों के साथ मिलकर एक आंदोलन किया था, उसमें किसी पर भी हाथ नहीं उठा था, लेकिन आज उसी देश में बच्चों को मोदी सरकार सिर्फ इसलिए पीट रही है, क्योंकि वो अपना अधिकार मांग रहे हैं। सभी को दिख रहा है कि छात्रों के साथ कितना गलत हो रहा है'। उन्होंने कहा कि 'लोकतंत्र के लिए महात्मा गांधी जी शहीद हुए और तमाम लोग आजादी के लिए लड़ते हुए शहीद हुए। आज उसी देश में वो लोकतंत्र खत्म किया जा रहा है। क्या वो इसलिए शहीद हुए कि उनके बच्चों को पीटा जाए, सिर्फ इसलिए क्योंकि उनके पेपर लीक हो रहे हैं और जिस पर वो जवाबदेही मांग रहे हैं'। राहुल गांधी ने बाद में बताया कि, 'हमारे छात्र सड़कों पर हैं, इसलिए विपक्ष के सभी सांसदों को लगा कि हमें भी सड़कों पर उतरना चाहिए। विपक्ष के सभी सांसद इंडिया गेट जाना चाहते थे। उन्होंने मना कर दिया और हमें रोक दिया। फिर हमने कहा कि हम तीस जनवरी (गांधी स्मृति) जाना चाहते हैं। उन्होंने बस यहीं खड़ी कर दी है। हम आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं, लेकिन मुख्य संदेश छात्रों के लिए है। हम आपके साथ हैं'।

बैठक के दौरान विपक्षी नेताओं ने परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग दोहराई। नेताओं का कहना था कि प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है, इसलिए इस मुद्दे पर तत्काल और प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष छात्रों की चिंताओं को लोकतांत्रिक तरीके से उठाता रहेगा और उनकी आवाज को संसद से लेकर सड़क तक पहुंचाने का प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर सरकार को जवाबदेही तय करनी चाहिए और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस व्यवस्था बनानी चाहिए। वहीं, विपक्षी दलों के अन्य नेताओं ने भी कहा कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखना लोकतांत्रिक व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उनका कहना था कि परीक्षा प्रक्रिया पर छात्रों का विश्वास कायम रखने के लिए सभी संबंधित मामलों की निष्पक्ष जांच और समयबद्ध कार्रवाई आवश्यक है। दूसरी ओर, सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर गांधी स्मृति और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल की तैनाती बढ़ाई गई थी।

विपक्षी सांसदों के साथ गांधी स्मृति के लिए निकले राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष (LoP) और वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार को विपक्षी दलों के सांसदों के साथ दिल्ली स्थित अपने आवास से गांधी स्मृति के लिए रवाना हुए। बस को रास्ते में ही रोक दिया गया। विरोध के बाद जाने दिया। पुलिस फोर्स भी साथ-साथ रवाना। संसद भवन परिसर और देश भर में जारी राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच राहुल गांधी और विपक्षी दलों के नेताओं ने एकजुटता का संदेश देने के लिए एक साथ एक ही बस में यात्रा की। रास्ते में रोका गया और बाद में जाने दिया। राहुल गांधी के आवास के बाहर से रवाना हुई इस बस में कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी (INDIA गठबंधन) दलों के प्रमुख सांसद और प्रतिनिधि मौजूद रहे। एकजुटता का संदेशः विपक्षी सांसदों ने महात्मा गांधी के विचारों, अहिंसा और शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक अधिकारों का समर्थन करने का संकल्प दोहराया। गांधी स्मृति का महत्वः नई दिल्ली स्थित 'गांधी स्मृति' (पुराना बिड़ला हाउस) वह ऐतिहासिक स्थान है जहाँ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने जीवन के अंतिम दिन बिताए थे। बस को रास्ते में रोके जाने की घटना को लेकर भी विपक्षी नेताओं ने अपनी प्रतिक्रिया दी।

जवाहर सर्किल पर पत्रिका गेट के सामने युवाओं का प्रदर्शन; पुलिस और कोचिंग माफिया के खिलाफ जताया रोष

जयपुर। राजधानी जयपुर के प्रसिद्ध जवाहर सर्किल स्थित पत्रिका गेट के सामने गुरुवार को बड़ी संख्या में युवाओं और प्रतियोगी परीक्षार्थियों ने उग्र प्रदर्शन किया। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए पुलिस लाठीचार्ज और राजस्थान में कोचिंग संस्थानों की मनमानी व धांधलियों के विरोध में यह प्रदर्शन आयोजित किया गया था। प्रदर्शनकारी युवा हाथ में तख्तियां और बैनर लेकर पत्रिका गेट के सामने एकत्र हुए और केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। युवाओं के अचानक जमा होने से जवाहर सर्किल के आसपास यातायात प्रभावित हो गया। प्रमुख मांगेंः युवाओं ने जंतर-मंतर लाठीचार्ज के दोषी पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई करने, राजस्थान में प्रतियोगी परीक्षाओं को पारदर्शी बनाने और कोचिंग सेंटरों की फीस व व्यवस्थाओं पर नकेल कसने की मांग की। पुलिस बल तैनातः सूचना मिलते ही जवाहर सर्किल थाना पुलिस और अतिरिक्त जाब्ता मौके पर पहुंचा। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे युवाओं से बातचीत की और शांतिपूर्वक ज्ञापन सौंपकर रास्ता खाली करने की समझाइश की।

गौरतलब है कि दिल्ली के जंतर-मंतर और मुंबई के शिवाजी पार्क में छात्रों के प्रदर्शन पर हुई पुलिस कार्रवाई का असर अब राजस्थान के प्रमुख शहरों में भी देखने को मिल रहा है। जयपुर से लेकर जोधपुर, कोटा और अजमेर तक छात्र संगठन और युवा सड़कों पर उतरकर विरोध दर्ज करा रहे हैं।

नीट पेपर लीक पर फास्ट ट्रैक कोर्ट की घोषणा से नहीं माने अरविंद केजरीवाल, बोले- बच्चों ने धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा था

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामलों में केंद्र सरकार द्वारा फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाने की घोषणा के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार का यह फैसला छात्रों की मूल मांग से पूरी तरह अलग है और इसे केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बचाने की कोशिश बताया। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देशभर के छात्र लगातार पेपर लीक की घटनाओं और जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। उनका आरोप है कि प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर कोई जवाब नहीं दिया, बल्कि फास्ट ट्रैक कोर्ट की घोषणा कर मामले की लीपापोती करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि देश में पहले से ही दुष्कर्म, पॉक्सो और अन्य गंभीर मामलों के लिए कई फास्ट ट्रैक कोर्ट संचालित हैं, लेकिन अनेक अदालतों में समय पर सुनवाई नहीं हो पाती। कई मामलों में फास्ट ट्रैक कोर्ट में भी सामान्य अदालतों से अधिक समय लग जाता है। ऐसे में केवल नई अदालतों की घोषणा करने से समस्या का समाधान नहीं होगा।

अरविंद केजरीवाल ने सवाल उठाया कि छात्रों की सबसे बड़ी चिंता भविष्य में पेपर लीक रोकने की है, लेकिन सरकार ने ऐसी किसी व्यवस्था या सुधार का ऐलान नहीं किया जिससे युवाओं का भरोसा बहाल हो सके। उन्होंने कहा कि यदि परीक्षा प्रणाली में कोई ठोस बदलाव नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में भी पेपर लीक की घटनाएं दोहराई जाएंगी और लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर लगता रहेगा। उन्होंने जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन का भी उल्लेख करते हुए दावा किया कि प्रदर्शन के दौरान छात्रों के साथ बर्बरता हुई। केजरीवाल ने कहा कि वह स्वयं जंतर-मंतर जाकर छात्रों से मिले थे और उनकी स्थिति देखी थी।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया 2 बड़े महिला अस्पतालों का निरीक्षण

प्रदेश में लगातार हो रही प्रसूताओं की मौत की घटनाओं के बीच जयपुर में स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने मंगलवार को सांगानेरी गेट महिला चिकित्सालय और चांदपोल स्थित जनाना अस्पताल का औचक निरीक्षण किया।

मंत्री ने दोनों अस्पतालों में नई बन रही बिल्डिंग के साथ ओपीडी, आईपीडी और आईसीयू की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री खींवसर ने प्रसूताओं की मौत के मामलों पर राज्य की स्थिति को नेशनल और इंटरनेशनल इंडेक्स रेट से बेहतर बताया। उन्होंने कहा कि नेशनल-इंटरनेशनल एवरेज के मुताबिक एक लाख डिलीवरी पर 86 से अधिक प्रसूताओं की मौत नहीं होनी चाहिए। राज्य के एक साल के आंकड़ों को देखें तो राजस्थान की स्थिति इस औसत के दायरे में है। इस मामले में हम 'वेल विद-इन' हैं। मंत्री ने कहा कि कई बार मलेरिया और टाइफस जैसी बीमारियों का स्पाइक देखने को मिलता है। मौजूदा मामले में भी पिछले दो महीनों के दौरान ऐसा स्पाइक सामने आया है, लेकिन पूरे साल का औसत देखा जाए तो राज्य की स्थिति नेशनल-इंटरनेशनल एवरेज के अंदर ही है।

छात्रों के समर्थन में अन्ना हजारे का मौन व्रत, सरकार से की बातचीत की अपील

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीजेपी द्वारा किए जा रहे विरोध-प्रदर्शन के समर्थन में आज सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने भी अपना समर्थन दिया है। अन्ना हजारे ने आज अहिल्यानगर के वाडिया पार्क में दो घंटे का मौन आंदोलन किया और यह आंदोलन दिल्ली में अपनी मांगों को लेकर डटे छात्रों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए किया गया था। आंदोलन के दौरान एक समय ऐसा भी आया जब छात्रों के दर्द और उनकी समस्याओं का जिक्र करते हुए अन्ना हजारे काफी भावुक हो गए और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। उन्होंने स्पष्ट किया कि छात्रों के भविष्य से जुड़े सवालों पर देश में गंभीरता से चर्चा होनी चाहिए। अहिल्यानगर के वाडिया पार्क में जब अन्ना हजारे मौन व्रत पर बैठे थे, तब वहां मौजूद लोगों ने उनके संवेदनशील पक्ष को देखा और छात्रों के संघर्ष और उनके द्वारा झेली जा रही कठिनाइयों को याद करते हुए अन्ना की आंखों में आंसू आ गए। उन्होंने मौन के माध्यम से यह संदेश देने की कोशिश की कि लोकतांत्रिक देश में युवाओं की आवाज को अनसुना नहीं किया जा सकता और अन्ना हजारे का यह मौन आंदोलन पूरे दो घंटे तक चला, जिसमें उन्होंने बिना कुछ बोले सरकार तक अपनी बात पहुंचाने का प्रयास किया। उन्होंने सरकार से पुरजोर अपील की कि प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ जल्द से जल्द बातचीत की प्रक्रिया शुरू की जाए। गौरतलब है कि इस मौन आंदोलन से पहले बुधवार को ही अन्ना हजारे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक पत्र लिखा था। इस पत्र में उन्होंने दिल्ली में विद्यार्थियों के मौजूदा प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा और पुलिस की कार्रवाई पर गहरा दुख व्यक्त किया था। अन्ना ने अपने पत्र में लिखा कि लोकतंत्र में संवाद हमेशा टकराव से बेहतर विकल्प होता है। उन्होंने प्रधानमंत्री को सुझाव दिया कि सरकार को छात्रों की मांगों को सुनने के लिए आगे आना चाहिए। अन्ना के अनुसार, हिंसा और दमन किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकते, बल्कि

बातचीत के जरिए ही किसी भी विवाद को सुलझाया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री को लिखे अपने पत्र में अन्ना हजारे ने शासन व्यवस्था और मंत्रियों की जवाबदेही पर भी कड़े विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि अगर किसी मुद्दे पर किसी मंत्री का इस्तीफा लिया जाता है, तो इससे सरकार कमजोर नहीं होती। इसके विपरीत, यह कदम दूसरे मंत्रियों को उनकी जवाबदेही के बारे में एक बहुत ही मजबूत संदेश देता है। अन्ना का मानना है कि इस तरह की कार्रवाई से शासन व्यवस्था में सुधार आता है और जनता का सरकार पर भरोसा बढ़ता है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रहे छात्रों की मांगों को बातचीत की मेज पर लाना ही सबसे सही रास्ता है। अन्ना हजारे के इस समर्थन से दिल्ली में चल रहे छात्र आंदोलन को एक नई नैतिक शक्ति मिली है। उन्होंने सरकार से अपील की कि वह टकराव का रास्ता छोड़कर छात्रों के साथ सीधा संवाद स्थापित करे ताकि उनकी समस्याओं का उचित समाधान निकाला जा सके।

संसद परिसर में INDIA गठबंधन का विरोध प्रदर्शन, राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने दिखाई एकजुटता

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे , राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और दूसरे लोग पार्लियामेंट कैंपस के अंदर मकर द्वार पर INDIA गठबंधन प्रदर्शन में शामिल हुए। समाजवादी पार्टी के चीफ अखिलेश यादव ने कहा, 'हम उत्तर प्रदेश से हैं। हम UP सरकार का काम देख रहे हैं, और हम भारत सरकार को भी देख सकते हैं। यह किसकी जवाबदेही है? सरकार की जवाबदेही थी। ऐसा लगता है कि उनकी क्षमता अकाउंट भरने तक ही सीमित है और हम उत्तर प्रदेश में इसे बहुत करीब से देख रहे हैं। जवाबदेही क्या है? अकाउंट भरने की उनकी क्षमता ही उनकी जवाबदेही लगती है।' TMC MP महुआ मोइत्रा ने कहा, 'आज लगातार तीसरे दिन दिल्ली के सभी मेट्रो स्टेशन बंद कर दिए गए हैं। ये लोग इस तरह सरकार नहीं चला सकते। दिल्ली घिर गई है।

सोनम वांगचुक ने 27वें दिन भूख हड़ताल खत्म की:जेपी नड्डा रात 12.30 बजे मेदांता पहुंचे, जूस पिलाया

नई दिल्ली। पेपर लीक के खिलाफ अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक ने 27वें दिन भूख हड़ताल खत्म कर दी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह गुरुवार रात करीब 12.30 बजे गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल पहुंचे। नड्डा ने वांगचुक को जूस पिलाकर उनका अनशन खत्म कराया।

वहीं वांगचुक के अनशन खत्म करने पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) फाउंडर अभिजीत दीपके ने खुशी जताई। हालांकि उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तक जंतर-मंतर पर आंदोलन जारी रहेगा। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का आज 35वां दिन है। हजारों प्रदर्शनकारी वहां डटे हुए हैं।

इस बीच देर रात संसद मार्ग प्रदर्शनकारियों ने संसद मार्ग पर बैरिकैड्स तोड़े।

CJP ने आज देशभर में प्रदर्शन का ऐलान किया है। सोनम वांगचुक के अनशन समाप्त होने के बाद भी प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि उनका आंदोलन फिलहाल जारी रहेगा और वे परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग पर कायम हैं।

सीजेपी ने कोलकाता पुलिस को ईमेल भेजकर शहर में रैली निकालने के लिए मांगी इजाजत

कोलकाता। नीट परीक्षा पेपर लीक और अन्य मुद्दों को लेकर अपने आंदोलन को नई दिल्ली से बाहर ले जाने की कोशिश में कॉकरोच जनता पार्टी ने कोलकाता पुलिस से शहर में एक रैली निकालने की अनुमति मांगी है।

यह रैली सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के जारी अनशन के समर्थन में प्रस्तावित है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, 19 जुलाई को कोलकाता पुलिस के संयुक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) और संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) को ईमेल भेजकर 22 जुलाई को शाम 4 बजे से उत्तर कोलकाता के कॉलेज स्ट्रीट से मध्य कोलकाता के रानी रश्मोनी रोड तक रैली निकालने की अनुमति मांगी गई थी। यह ईमेल कथित तौर पर देदीप्यो गांगोपाध्याय ने भेजा था। बाद में पुलिस अधिकारियों ने 22 जुलाई को प्रस्तावित इस रैली की अनुमति देने से इनकार कर दिया। सूत्रों के मुताबिक, इसके बाद पुलिस को उसी ईमेल पते पर एक और ईमेल मिला, जिसमें 24 जुलाई को उसी मार्ग पर रैली निकालने की अनुमति मांगी गई। यह ईमेल भी देदीप्यो गांगोपाध्याय की ओर से भेजा गया था। दूसरे ईमेल के बाद कोलकाता पुलिस ने गांगोपाध्याय के बारे में जांच शुरू की, जिन्होंने खुद को सीजेपी का सक्रिय सदस्य बताया है।

संपादकीय

प्रदूषणकारी वाहनों, सी एण्ड डी वेस्ट तथा औद्योगिक प्रदूषण की रोकथाम के लिए उठाए प्रभावी कदम : वी. श्रीनिवास

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। केंद्र सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा दिल्ली एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए गठित समिति की समीक्षा बैठक गुरुवार को कैबिनेट सचिव डॉ. टी.वी. सोमनाथन की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित हुई। बैठक में राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं पंजाब के मुख्य सचिव अपने-अपने राज्यों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। राजस्थान की ओर से मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजस्थान सचिवालय स्थित एनआईसी कक्ष से बैठक में भाग लिया। बैठक में केन्द्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम), केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), नीति आयोग, एनसीआर प्लानिंग बोर्ड तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। डॉ. सोमनाथन ने राज्यों को वायु प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कार्यों को तय समय सीमा में पूरा करने तथा सभी संबंधित विभागों के बीच प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क धूल नियंत्रण, पुराने एवं प्रदूषणकारी वाहनों के चरणबद्ध प्रतिस्थापन, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने, निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट (सी एंड डी वेस्ट) के वैज्ञानिक प्रबंधन, निर्माण स्थलों की प्रभावी निगरानी, औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण, वायु गुणवत्ता की नियमित निगरानी, पराली एवं बायोमास जलाने पर रोक तथा पौधारोपण जैसे उपायों को प्राथमिकता के साथ लागू करने पर जोर दिया। बैठक में राज्यों द्वारा प्रस्तुत कार्ययोजना तथा अब तक हुई प्रगति की समीक्षा करते हुए कैबिनेट सचिव ने विभिन्न उपायों के समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजस्थान की ओर से राज्य में वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार 'परिवर्तन' कार्यक्रम के तहत एनसीआर क्षेत्र में 5,268 पुराने एवं प्रदूषणकारी वाहनों के चरणबद्ध प्रतिस्थापन की दिशा में कार्य कर रही है। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक बसों के संचालन का लगातार विस्तार किया जा रहा है, जिससे स्वच्छ एवं टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क धूल नियंत्रण के लिए यांत्रिक सड़क सफाई (मैकेनाइज्ड स्वीपिंग) सहित अन्य प्रभावी उपायों को प्राथमिकता के साथ लागू किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि राज्य में निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट (सी एंड डी वेस्ट) के वैज्ञानिक प्रबंधन, निर्माण स्थलों की प्रभावी निगरानी, वायु गुणवत्ता की नियमित निगरानी, औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण तथा पराली एवं बायोमास जलाने की रोकथाम के लिए भी प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में संचालित 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत प्रदेशभर में व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया जा रहा है। साथ ही राज्य सरकार कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) तथा केंद्र सरकार के साथ नियमित समन्वय बनाए रखते हुए निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप आवश्यक कदम उठा रही है। मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग आनन्द कुमार, प्रमुख शासन सचिव, परिवहन विभाग भवानी सिंह देथा, शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन, शासन सचिव, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग विजय एन , सदस्य सचिव, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल कपिल चंद्रवाल तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक में वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वित कार्यप्रणाली अपनाने पर विशेष बल दिया गया। साथ ही प्रदूषण नियंत्रण उपायों के प्रभाव का नियमित मूल्यांकन भी किया जाएगा।

जोधपुर मंडल में तकनीकी कार्य के चलते कई ट्रेनें प्रभावित, कुछ रद्द तो कई बदले मार्ग से चलेंगी

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में कुचामन सिटी–नया खारड़िया स्टेशनों के बीच ब्रिज संख्या 43 तथा उम्मेद–खारिया खंगार स्टेशनों के बीच ब्रिज संख्या 35 एवं 39 पर गर्डर लॉन्चिंग (तकनीकी) कार्य किया जाएगा। इसके लिए ब्लॉक लिए जाने से सितंबर और अक्टूबर में कई रेल सेवाएं प्रभावित रहेंगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि तकनीकी कार्य के कारण कुछ ट्रेनें रद्द रहेंगी, जबकि कई ट्रेनों का मार्ग बदला गया है। कुछ रेल सेवाओं का समय भी पुनर्निर्धारित किया गया है। ये ट्रेनें रहेंगी रद्द 14891 जोधपुर–हिसार एक्सप्रेस : 25 सितंबर 2026 को रद्द। 14892 हिसार–जोधपुर एक्सप्रेस : 26 सितंबर 2026 को रद्द।

इन ट्रेनों का बदला जाएगा मार्गः 14707 हनुमानगढ़–दादर एक्सप्रेस (26 व 29 सितंबर) लालगढ़–फलौदी–जोधपुर मार्ग से चलेगी। बीकानेर, देशनोक, नोखा, नागौर, मारवाड़ मूंडवा, मेड़ता रोड और गोटन स्टेशन पर ठहराव नहीं होगा।

14887 ऋषिकेश–बाड़मेर एक्सप्रेस (25 सितंबर) लालगढ़–फलौदी–जोधपुर मार्ग से संचालित होगी। बीकानेर, देशनोक, नोखा, नागौर, मारवाड़ मूंडवा, मेड़ता रोड, गोटन व पीपाड़ रोड स्टेशन पर ठहराव नहीं रहेगा।

14813 जोधपुर–भोपाल एक्सप्रेस (3 अक्टूबर) भी परिवर्तित मार्ग से चलेगी तथा राईकाबाग, जोधपुर कैंट, पीपाड़ रोड, उम्मेद, खारिया खंगार, गोटन, मेड़ता रोड, डेगाना, मकराना, कुचामन सिटी, नावां सिटी और सांभर लेक सहित अनेक स्टेशनों पर नहीं रुकेगी।

रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति और समय की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

असम की संस्कृति से रूबरू होंगे राजस्थान के विद्यार्थी, एक भारत श्रेष्ठ भारत' के तहत गतिविधियां

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। राज्य के राजकीय विद्यालयों में भारत सरकार के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत वर्षभर विभिन्न शैक्षिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं विद्यालयों को निर्देश जारी कर कार्यक्रम को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए कहा है। निर्देशों के अनुसार राजस्थान का पेयरिंग स्टेट असम निर्धारित है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को असम की भाषा, संस्कृति, इतिहास, लोककला, परंपराओं, खान-पान, वेशभूषा और सामाजिक विविधताओं से परिचित कराना है, ताकि राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समन्वय और भावनात्मक एकीकरण को मजबूत किया जा सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप विद्यालयों में शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर भी जोर दिया जाएगा। समग्र शिक्षा के अंतर्गत कार्यक्रम के प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक राशि भी उपलब्ध कराई गई है।

मातृ स्मृति में खेजड़ी के 500 पौधों का रोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया सशक्त संदेश

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

चूरू। नगर वन, नेचर पार्क, डाबला रोड, चूरू में गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय, चूरू में कार्यरत हेड कांस्टेबल डॉ. भागीरथ मेघवाल की माताजी स्वर्गीय सजना देवी की पुण्य स्मृति में राजस्थान के राजकीय वृक्ष तथा मरुस्थल की जीवनरेखा खेजड़ी के 500 पौधों का रोपण किया गया। नगर वन की टीम एवं वार्ड संख्या 46, डाबला रोड के नवयुवकों के संयुक्त प्रयासों से आयोजित यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक जागरूकता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरक उदाहरण बनकर उभरा। इस अवसर पर उपस्थित

अतिथियों एवं पर्यावरण प्रेमियों ने स्वर्गीय सजना देवी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वृक्षारोपण किसी प्रियजन की स्मृति को चिरस्थायी बनाए रखने का सर्वोत्तम माध्यम है। उन्होंने कहा कि खेजड़ी केवल एक वृक्ष नहीं, बल्कि राजस्थान की संस्कृति, पर्यावरण, लोकजीवन तथा मरुस्थलीय सभ्यता की पहचान है। यह वृक्ष मिट्टी संरक्षण, पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वक्ताओं ने खेजड़ी की घटती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में इसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जनभागीदारी आवश्यक है। उन्होंने वर्ष 1730 के ऐतिहासिक खेजड़ली बलिदान का स्मरण करते हुए खेजड़ी को त्याग, समर्पण तथा प्रकृति संरक्षण का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि खेजड़ी का संरक्षण भावी पीढ़ियों के सुरक्षित एवं संतुलित पर्यावरण के लिए अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में वार्ड संख्या 46 के नवयुवकों की विशेष भूमिका रही।

पीईबी असेसमेंट 2026-27: राज्य स्तरीय विषयवार कार्यशाला के लिए 50 शिक्षकों का चयन

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (आरएससीईआरटी) के असेसमेंट सेल ने पीएबी एसेसमेंट 2026-27 के अंतर्गत तीन दिवसीय राज्य स्तरीय विषयवार क्षमता संवर्धन कार्यशाला आयोजित करने के लिए 50 शिक्षकों और शिक्षाविदों का चयन किया है। परिषद द्वारा जारी कार्यालय आदेश के अनुसार यह कार्यशाला 5 अगस्त से 7 अगस्त 2026 तक आरएससीईआरटी परिसर, उदयपुर में आयोजित होगी। कार्यशाला में चयनित प्रतिभागियों को 5 अगस्त को प्रातः 9:30 बजे परिषद में उपस्थित होकर पंजीयन कराना होगा। कार्यशाला में अंग्रेजी, हिंदी, गणित, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और संस्कृत विषयों के विशेषज्ञ शिक्षक एवं प्रधानाचार्य भाग लेंगे। इनका चयन राज्य के विभिन्न जिलों के राजकीय विद्यालयों से किया गया है। आदेश पर आरएससीईआरटी की निदेशक के डिजिटल हस्ताक्षर हैं।

अब करंट का डर खत्म सरदारशहर में लॉन्च हुआ 'सेफऑन पावर प्यूरिफायर', चालू लाइन के नंगे तार छूने पर भी नहीं लगा झटका

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

सरदारशहर। बिजली के करंट से होने वाली दुर्घटनाओं से सुरक्षा का दावा करने वाला 'सेफऑन पावर प्यूरिफायर (के.बी. पावर कवच)' गुरुवार को सरदारशहर में विधिवत शुभारंभ के साथ लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गया। रेलवे फाटक के पास, लूणकरणसर बस स्टैंड स्थित नए प्रतिष्ठान का शुभारंभ दलीप नाथ जी महाराज के करकमलों से संपन्न हुआ। शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, व्यापारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कंपनी की ओर से डिवाइस का लाइव प्रदर्शन किया गया।

प्रदर्शन में दावा किया गया कि डिवाइस स्थापित होने के बाद चालू विद्युत लाइन के नंगे तारों को हाथ से छूने पर भी करंट का झटका महसूस नहीं हुआ। इतना ही नहीं, पानी में भी करंट का प्रभाव नहीं होने का प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन ने मौके पर मौजूद लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया और कई लोग इसकी कार्यप्रणाली को देखने के लिए उत्सुक नजर आए। कंपनी प्रतिनिधियों ने बताया कि यह डिवाइस केवल करंट से सुरक्षा ही नहीं देता, बल्कि बिजली के उतार-चढ़ाव, सर्ज एवं स्पाइक, ओवरलोड, शॉर्ट सर्किट और ग्राउंड सर्किट जैसी समस्याओं से भी सुरक्षा प्रदान करने का दावा करता है। साथ ही यह इन्वर्टर, जनरेटर और यूपीएस के साथ भी अनुकूल है। कंपनी ने इसे पेटेंटेड तकनीक पर आधारित उत्पाद बताया। शुभारंभ समारोह में अतिथियों का पारंपरिक स्वागत किया गया तथा नए प्रतिष्ठान के सफल संचालन एवं व्यापार की निरंतर प्रगति की कामना की गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने उत्पाद की विशेषताओं के बारे में जानकारी प्राप्त की और बिजली सुरक्षा के क्षेत्र में इसे उपयोगी पहल बताया। इस मौके पर मौजूद रहे पूर्व प्रधान प्रतिनिधि मधुसूदन राजपूरोहित, डेरी चेयरमैन लाल चन्द मुण्ड, अंजनी कुमार शर्मा अध्यक्ष तहसील, वासुदेव शर्मा प्रदेश सचिव विप्र फाउंडेशन, अनिल कुमार मिश्रा, नरेंद्र सिंह राजपुरोहित, ओमप्रकाश बैद, तुलसीराम जोशी, आदी गण्मान्य लोग मौजूद रहे।

कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए एडवांस वेतन/ पेंशन योजना के नए दिशा-निर्देश

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। राजस्थान सरकार के वित्त विभाग ने राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनर्स को वेतन और पेंशन के विरुद्ध अग्रिम राशि उपलब्ध कराने की योजना के संबंध में नया परिपत्र जारी किया है।

इसके तहत एक माह के अर्जित वेतन/ पेंशन एडवांस तथा 3 माह से 24 माह तक के वेतन/पेंशन के विरुद्ध एडवांस की सुविधा डिजिटल माध्यम से उपलब्ध रहेगी। परिपत्र के अनुसार योजना का संचालन केवल आईएफएमएस 3.0 (IFMS 3.0) और अधिकृत वित्तीय संस्थानों के मोबाइल एप के माध्यम से किया जाएगा। योजना के नोडल एजेंसी के रूप में राजस्थान फाइनेंशियल सर्विस डिलीवरी लिमिटेड (RFSDL) को नियुक्त किया गया है, जो योजना के संचालन, समन्वय और निगरानी का कार्य करेगी। एडवांस की वसूली मासिक किस्तों (ईएमआई) के माध्यम से होगी।

सिरोही में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज राज्य मंत्री ने किया सुगम्य सिरोही प्रमाणीकरण शिविर का अवलोकन

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। प्रदेश के ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने गुरूवार को सिरोही जिले के शिवगंज में आयोजित सुगम्य सिरोही शिविर का अवलोकन किया। शिविर को सम्बोधित करते हुए राज्य मंत्री देवासी ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से दिव्यांगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलेगा साथ ही राजकीय दस्तावेजों में किसी भी प्रकार की जानकारी को अपडेट भी किया जाएगा।

उन्होंने उपस्थित विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों को पूर्ण संवेदनशीलता के साथ काम करते हुए दिव्यांगों को शिविरों का लाभ देने की बात कही।

उन्होंने कहा कि जनता को राहत पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है और प्रशासन के साथ मिलकर आमजन की प्रत्येक परिवेदना का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाने का कार्य किया जा रहा है। दिव्यांग प्रमाणीकरण शिविर में राज्यमंत्री देवासी के हाथों से श्रवण कुमार और छैल सिंह को ट्राई साइकिल, मोहनलाल और आनंद कुमार को श्रवण यंत्र तथा हिम्मत सिंह को वैशाखी और सीता देवी को व्हील चेयर सहित विभिन्न दिव्यांगों को अंग उपकरण प्रदान किए गए। सुगम्य सिरोही अभियान के अन्तर्गत शिवगंज में आयोजित प्रमाणीकरण एवं सहायता शिविर में बस पास 13, पेंशन 10, युडीआईडी 25, दस्तावेज संशोधन 48, दृष्टिबाधित प्रमाण पत्र 01, श्रवण प्रमाण पत्र रेफर 3, मंदबुद्धि रोग प्रमाण पत्र 8, ऑर्थो प्रमाण पत्र 12, अंग उपकरण के लिए 15 वितरित, पालनहार नवीनीकरण 48 सहित 186 प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

सरदारशहर में अग्रवाल सेवा मंडल ने पक्षियों के लिए बांटे एक हजार जल पात्र

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

सरदारशहर। सरदारशहर में अग्रवाल सेवा मंडल ने आज गुरूवार को गांधी चौक पर पक्षियों के लिए मिट्टी के जल पात्र वितरित किए।इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों को पानी उपलब्ध करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि चौरूलाल भिवानिया, श्यामसुंदर मित्तल, किशन उड़सरिया, शिवरतन सर्राफ, दीपू जैसनसरिया, प्रकाश भरतिया और अशोक बायवाला ने फीता काटकर किया।इस दौरान कुल एक हजार मिट्टी के जल पात्र निशुल्क बांटे गए। कार्यक्रम संयोजक गोपाल जालान ने आमजन से अपील की, कि वे अपने घरो की छतों, आंगन और सार्वजनिक स्थानों पर ये जलपात्र रखे। उन्होंने नियमित रूप से पानी भरने का आग्रह किया, ताकि पक्षियों को गर्मी से राहत मिल सके और उनका संरक्षण हो। इस सेवा कार्य के लिए रामोतार-संजय कुमार कंदोई परिवार, प्रभुदयाल ढ़ाढरिया परिवार, ओमप्रकाश बायवाला परिवार और कुछ गुप्त दानदाताओं ने आर्थिक सहयोग दिया। सूर्यप्रकाश लढिया, शुशील कुमार ढाढरिया, सौरभ जैसनसरिया, निखिल जैसनसरिया, प्रिंस रातूसरिया तथा दिनेश सोमानी सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्कूल हेल्थ मिशन के तहत जोगासर कुआँ विद्यालय में स्वास्थ्य जांच शिविर, 170 से अधिक विद्यार्थी हुए लाभान्वित

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बाड़मेर। बाड़मेर जन सेवा समिति द्वारा वेदांता ऑयल एंड गैस के सहयोग से संचालित स्वच्छ बाड़मेर–स्वस्थ बाड़मेर परियोजना के अंतर्गत स्कूल हेल्थ मिशन के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जोगासर कुआँ में स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से 170 से अधिक विद्यार्थियों को स्वास्थ्य, स्वच्छता, निवारक स्वास्थ्य सेवाओं तथा स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान

और समय पर उपचार को बढ़ावा देना है। शिविर में जिला चिकित्सालय, बाड़मेर एवं नेत्र ज्योति हॉस्पिटल का भी सहयोग रहा। शिविर में डॉ. कपिल जैन (ईएनटी विशेषज्ञ), डॉ. कृति चौहान (स्पीच थेरेपिस्ट) तथा विक्रम सिंह (ऑप्टोमेट्रिस्ट, बाड़मेर जन सेवा समिति) ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में 110 से अधिक ओपीडी परामर्श दिए गए तथा ईएनटी एवं नेत्र संबंधी समस्याओं से ग्रसित विद्यार्थियों को आवश्यक दवाइयों का मौके पर ही वितरण किया गया। कार्यक्रम विद्यालय के प्रधानाचार्य देव कुमार एवं उप-प्रधानाचार्य यशपाल भी उपस्थिति रहे। शिविर के सफल संचालन में जालम सिंह राजपुरोहित ने शिविर संयोजक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वेदांता ऑयल एंड गैस की ओर से मोहम्मद सलमान भट्ट, असिस्टेंट मैनेजर – सीएसआर (हेल्थकेयर), ने विद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों से नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. विशाल अग्रवाल, हेड – सीएसआर, एवं प्रिया शर्मा, एसोसिएट मैनेजर – सीएसआर, भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वेदांता ऑयल एंड गैस की सुरक्षा टीम ने भी सहभागिता की। छोटू खान, भंवरा राम एवं गिरधर जी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए अनुशासन, जिम्मेदारी और सकारात्मक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला।

बेटे के 'अग्निवीर' बनने पर ऐसी खुशी, पिता ने 30KM निकाली तिरंगा यात्रा; 47 गांवों को कराया भोज

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

चित्तौड़गढ़। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के रावतभाटा क्षेत्र में भारतीय सेना के अग्निवीर के रूप में चयनित होकर ट्रेनिंग पूरी करने और पहली ड्यूटी के बाद घर लौटे युवा का ग्रामीणों ने ऐतिहासिक स्वागत किया। मोहनपुरा गांव के अग्निवीर योगेश चौधरी के सम्मान में 30 किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा निकाली गई।

वहीं बेटे की इस उपलब्धि पर पिता ने 47 गांवों के लोगों को आमंत्रित कर सामूहिक भोज का आयोजन कराया, जो पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, रावतभाटा उपखंड क्षेत्र के मोहनपुरा गांव निवासी योगेश चौधरी पुत्र चतुर्भुज चौधरी, का चयन 27 दिसंबर 2025 को भारतीय सेना की 'अग्निवीर योजना' के तहत हुआ था। ट्रेनिंग पूरी करने और पहली ड्यूटी निभाने के बाद जब वह पहली बार अपने गांव पहुंचे तो ग्रामीणों और परिजनों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। बेटे के अग्निवीर बनने की खुशी को यादगार बनाने के लिए उनके पिता चतुर्भुज चौधरी ने क्षेत्र के 47 गांवों के लोगों को सामूहिक भोज के लिए आमंत्रित किया।

बड़ी संख्या में लोग इस आयोजन में शामिल हुए और परिवार को शुभकामनाएं दीं। बताया जा रहा है कि इस पूरे समारोह पर परिवार ने करीब ढाई लाख रुपए खर्च किए। अग्निवीर योगेश चौधरी के गांव पहुंचने पर पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

तिरंगा यात्रा के दौरान युवाओं, ग्रामीणों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाए। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया गया और लोगों ने भारत माता की जय तथा वंदे मातरम् के उद्घोष के साथ उनका अभिनंदन किया। समारोह में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि भारतीय सेना में सेवा करना केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का सर्वोच्च अवसर है। उन्होंने युवाओं से योगेश चौधरी की उपलब्धि से प्रेरणा लेते हुए अनुशासन, परिश्रम और देशभक्ति की भावना के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवाओं का सेना में चयन होना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। अग्निवीर योगेश चौधरी ने सम्मान के लिए सभी ग्रामीणों, परिजनों और शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अपने गांव और क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व है।

राजस्थान/ प्रादेशिक

29 जुलाई से शुरू होगा रीडिंग प्रमोशन कैंपेन, स्कूलों में 'रीड ए थॉन' से लेकर मेगा पीटीएम तक होंगे आयोजन

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा सत्र 2026-27 के लिए शुरू किए जा रहे रीडिंग प्रमोशन कैंपेन का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। जुलाई से जनवरी 2027 तक चलने वाले इस अभियान में विद्यालयों, समुदाय और अभिभावकों की सहभागिता से विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत विकसित करने, पठन संस्कृति को बढ़ावा देने तथा भाषा और समझ (कॉम्प्रिहेंशन) कौशल को मजबूत बनाने पर विशेष जोर रहेगा। विभाग के अनुसार अभियान का शुभारंभ 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर राज्य स्तर पर किया जाएगा। इसी दिन सभी जिलों, ब्लॉकों और विद्यालयों में "रीड ए थॉन (Read A Thon)" गतिविधि आयोजित होगी, जिसमें विद्यार्थियों के साथ जनप्रतिनिधि, अभिभावक और स्थानीय समुदाय भी भाग लेंगे। अभियान के तहत 8 सितंबर को विश्व साक्षरता दिवस पर विद्यालयों में स्टोरी मेला, पठन प्रतियोगिताएं, कहानी कथन, लेखन गतिविधियां और रीडिंग कॉर्नर जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद 21 नवंबर को आयोजित होने वाली मेगा पीटीएम में विद्यार्थियों की पठन उपलब्धियों का प्रदर्शन किया जाएगा तथा अभिभावकों को अभियान से जोड़ा जाएगा। अभियान का समापन 16 जनवरी 2027 को मेगा पीटीएम एवं निपुण मेले के साथ होगा। इस दौरान विद्यार्थियों के कार्यों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी और विद्यालयों की उत्कृष्ट गतिविधियों एवं बेस्ट प्रैक्टिसेज साझा की जाएंगी। शिक्षा विभाग के अनुसार अभियान का उद्देश्य विद्यालय और समुदाय में पठन संस्कृति विकसित करना, विद्यार्थियों में नियमित पढ़ने की आदत डालना, कल्पनाशक्ति, रचनात्मकता, चिंतन और तर्क क्षमता को बढ़ावा देना तथा धाराप्रवाह पढ़ने और पढ़कर समझने के कौशल को मजबूत बनाना है। साथ ही राज्य स्तर पर उत्कृष्ट शिक्षकों की बेस्ट प्रैक्टिसेज रिपॉजिटरी तैयार की जाएगी और अभिभावक-शिक्षक सहभागिता को भी सुदृढ़ किया जाएगा।

बारिश से किसानों में लौटी उम्मीद, महाजन-अर्जुनसर क्षेत्र में जलभराव ने खोली व्यवस्थाओं की पोल

बीकानेर। लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के लिए गुरुवार का दिन राहत और उम्मीद लेकर आया। आसन्न अकाल की आशंकाओं के बीच हुई अच्छी बरसात से किसानों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई है। वहीं, जिन काश्तकारों की अगेती बुवाई तेज आंधियों के कारण खराब हो गई थी, वे अब दोबारा बुवाई की तैयारी में जुट गए हैं। किसानों का कहना है कि यदि आगामी दिनों में भी मौसम अनुकूल रहा तो इस बार अच्छी फसल की उम्मीद की जा सकती है। बीकानेर जिले की लूणकरणसर तहसील के महाजन और अर्जुनसर क्षेत्र में गुरुवार को हुई तेज बारिश ने जहां खेतों को नई संजीवनी दी, वहीं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की भी पोल खोलकर रख दी। बारिश के बाद कस्बे की कई सड़कें और गलियां जलमग्न हो गईं। जगह-जगह पानी भर जाने से आमजन को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-62 पर भी भारी जलभराव के कारण वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। कई स्थानों पर वाहन धीमी गति से निकलते नजर आए, जबकि कुछ वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेना पड़ा।

31 जुलाई तक बढ़ी कक्षा 9 से 12 में प्रवेश की अंतिम तिथि

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, राजस्थान ने प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के तहत कक्षा 9 से 12 में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 जुलाई 2026 कर दी है। इससे पहले राजकीय विद्यालयों में प्रवेश की अंतिम तिथि 25 जुलाई निर्धारित की गई थी। अब अनामांकित एवं ड्रॉपआउट विद्यार्थियों को विद्यालयों से जोड़ने और नामांकन में वृद्धि के उद्देश्य से यह अवधि छह दिन और बढ़ाई गई है।

निदेशक माध्यमिक शिक्षा एवं समग्र शिक्षा अभियान के पदेन अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक (वरिष्ठ) सीताराम जाट द्वारा जारी आदेश के अनुसार कक्षा 1 से 8 तक विद्यार्थियों के प्रवेश पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान पूर्ववत जारी रहेंगे। आदेश में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रत्येक पीईईओ को अपने अधीन विद्यालयों के लिए विशेष नामांकन लक्ष्य निर्धारित करने के निर्देश दिए गए हैं। इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सघन मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

राजस्थान में चलेगा 'रीडिंग प्रमोशन अभियान 2026-27', प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ने की क्षमता पर रहेगा विशेष फोकस

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) और निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों को गति देने के लिए राजस्थान शिक्षा विभाग ने 'रीडिंग प्रमोशन अभियान 2026-27' शुरू करने का निर्णय लिया है।

अभियान का उद्देश्य प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों में बुनियादी साक्षरता, भाषा कौशल, पढ़ने की क्षमता और पढ़कर समझने (कॉम्प्रिहेंशन) की योग्यता को सुदृढ़ बनाना है। शिक्षा विभाग के अनुसार निपुण भारत मिशन का लक्ष्य कक्षा 3 तक सभी बच्चों में आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान विकसित करना है। इसी उद्देश्य से राज्य में पूर्व में संचालित 'प्रखर राजस्थान' और 'प्रखर राजस्थान 2.0' अभियानों के सकारात्मक परिणामों को देखते हुए अब वर्ष 2026-27 में रीडिंग प्रमोशन अभियान चलाया जाएगा।

शिक्षा विभाग में पेंशन प्रकरणों पर सख्ती, 844 मामले लंबित; 28 जुलाई से पहले निस्तारण के निर्देश

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। माध्यमिक शिक्षा निदेशक एवं समग्र शिक्षा के पदेन अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक सीताराम जाट ने सेवानिवृत्त कार्मिकों के पेंशन प्रकरणों में हो रही देरी पर गंभीर नाराजगी जताते हुए सभी संभागीय संयुक्त निदेशकों को लंबित मामलों का तत्काल निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। पेंशन एवं पेंशनर्स कल्याण विभाग के संदर्भ में जारी आदेश में बताया गया है कि राजस्थान सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1996 के अनुसार सेवानिवृत्ति से छह माह पूर्व ही पेंशन प्रकरण पेंशन विभाग को भेजना अनिवार्य है, ताकि सेवानिवृत्ति तिथि से पहले ही पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) जारी हो सके। विभागीय समीक्षा में सामने आया है कि शिक्षा विभाग के 844 पेंशन प्रकरण अभी तक शुरू (नॉट इनिशिएटेड) ही नहीं किए गए हैं, जबकि 353 प्रकरणों में आक्षेप लगे होने के कारण पीपीओ जारी नहीं हो सके हैं।

इसके अलावा जुलाई, अगस्त और सितंबर 2026 में 4,031 कार्मिक सेवानिवृत्त होने वाले हैं, जिनमें जुलाई में 2,061, अगस्त में 1,174 और सितंबर में 796 कार्मिक शामिल हैं। निदेशक ने निर्देश दिए हैं कि 28 जुलाई को आयोजित होने वाली पेंशन अदालत से पहले सभी लंबित एवं आक्षेप वाले प्रकरणों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही आगामी तीन माह में सेवानिवृत्त होने वाले सभी कार्मिकों की पेंशन प्रक्रिया तत्काल शुरू कर समय पर पीपीओ जारी किए जाएं। मृत कार्मिकों के लंबित पारिवारिक पेंशन तथा एनपीएस समायोजन के मामलों का भी शीघ्र निस्तारण करने को कहा गया है। आदेश में चेतावनी दी गई है कि पेंशन नियम 89 के तहत यदि सेवानिवृत्ति के 60 दिन के भीतर बिना उचित कारण पेंशन स्वीकृत नहीं होती है, तो 9 प्रतिशत ब्याज देय होगा और इसकी वसूली संबंधित जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी से की जाएगी।

सामाजिक न्याय मंत्री अविनाश गहलोत का दौरा, विभागीय समीक्षा बैठक में दिए सख्त निर्देश , निकाय चुनाव पर किया बड़ा दावा

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

जोधपुर। राजस्थान के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत गुरुवार को जोधपुर दौरे पर रहे। सर्किट हाउस पहुंचने पर नवपदस्थापित संयुक्त निदेशक बजरंग सारस्वत के नेतृत्व में विभागीय अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद मंत्री गहलोत ने विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर सामाजिक न्याय विभाग की योजनाओं, छात्रावासों के संचालन और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। मीडिया से बातचीत के दौरान मंत्री ने निकाय चुनाव, ओबीसी (OBC) आरक्षण, विभागीय बजट और कांग्रेस की नीतियों पर खुलकर अपनी बात रखी।

गणवत्तापूर्ण भोजन और मॉनिटरिंगः विभागीय छात्रावासों में रह रहे विद्यार्थियों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने, छात्रावासों का नियमित निरीक्षण करने तथा व्यवस्थाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महापुरुषों व शीर्ष नेताओं के चित्रः विभाग से जुड़े सभी कार्यालयों, छात्रावासों और शासकीय भवनों में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के चित्र (फोटोग्राफ) लगाने के निर्देश दिए।

योग और राष्ट्रभक्ति पर जोरः विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति का भाव जगाने के लिए नियमित रूप से योग, राष्ट्रगान एवं देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने और महापुरुषों के जीवन दर्शन व विचारों से उन्हें प्रेरित करने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने विभाग से जुड़ी एनजीओ (NGOs) की पारदर्शी मॉनिटरिंग के भी निर्देश दिए।

राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) का प्रतिनिधिमंडल शिक्षा निदेशक से मिला

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश सभा अध्यक्ष किशनलाल सारण के नेतृत्व में शिक्षा निदेशक सीताराम जाट से मिला। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश सभा अध्यक्ष किशनलाल सारण, यतीश वर्मा (बीकानेर) एवं जिलाध्यक्ष आनंद पारीक (बीकानेर) शामिल रहे।

प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेशभर के शिक्षकों की विभिन्न लंबित एवं ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए शीघ्र समाधान की मांग रखी। Lप्रदेश सभा अध्यक्ष किशनलाल सारण ने बताया कि तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थाईकरण, वेतन नियमितीकरण, लंबित पदोन्नति प्रकरणों, टेट की अनिवार्यता, स्थानांतरण परिवेदनाओं, शाला दर्पण की तकनीकी समस्याओं तथा विद्यालयों से जुड़े अन्य प्रशासनिक मुद्दों पर सकारात्मक विचार-विमर्श हुआ।

संस्कृत शिक्षक पदोन्नति विवाद में शिक्षा निदेशक ने अभ्यावेदन किया खारिज, अधिकरण के आदेश की पालना में जारी हुआ निर्णय

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। प्राथमिक (स्कूल शिक्षा) संस्कृत शिक्षक पद पर पदोन्नति के लाभ को लेकर चल रहे विवाद में माध्यमिक शिक्षा निदेशक, बीकानेर ने राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण, जयपुर के आदेश की पालना करते हुए शिक्षक रामप्रसाद जांगिड़ के अभ्यावेदन को खारिज कर दिया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि पदोन्नति की प्रक्रिया राजस्थान शिक्षा सेवा नियमों एवं राज्य स्तरीय वरिष्ठता सूची के अनुरूप अपनाई गई है, इसलिए अभ्यर्थी को वर्ष 2017-18 से पदोन्नति का लाभ दिए जाने का कोई आधार नहीं बनता। मामला उस अभ्यावेदन से जुड़ा है जिसमें रामप्रसाद जांगिड़ ने दावा किया था कि उनकी नियुक्ति वर्ष 1995 में अध्यापक ग्रेड-3 के पद पर हुई थी तथा सेवा के दौरान उन्होंने स्नातक, स्नातकोत्तर और शास्त्री जैसी शैक्षणिक योग्यताएं अर्जित कीं। इसके बावजूद उनसे कनिष्ठ शिक्षकों को वर्ष 2017-18 में प्राथमिक (स्कूल शिक्षा) संस्कृत शिक्षक पद पर पदोन्नत कर दिया गया, जबकि उन्हें यह लाभ वर्ष 2023-24 में मिला। उन्होंने इसे वरिष्ठता के विपरीत बताते हुए कनिष्ठ कर्मचारियों के समान वर्ष 2017-18 से पदोन्नति का लाभ देने की मांग की थी। प्रकरण राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण, जयपुर पहुंचा, जहां अधिकरण ने विभाग को अभिलेखों एवं नियमों के आधार पर प्रार्थी के अभ्यावेदन का परीक्षण कर गुण-दोष के आधार पर निर्णय लेने के निर्देश दिए थे।

इसी आदेश की अनुपालना में माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने विस्तृत परीक्षण कराया। विभागीय जांच में पाया गया कि राजस्थान शिक्षा सेवा नियम, 1970 (वर्तमान नियम-2021) के अनुसार पदोन्नति केवल रिक्त पदों, पात्रता, राज्य स्तरीय वरिष्ठता सूची और उपलब्ध योग्य अभ्यर्थियों के आधार पर की जाती है। अभिलेखों के अनुसार वर्ष 2020-21 की रिक्तियों के लिए तैयार वरिष्ठता सूची में अपीलकर्ता की योग्यता का अंक उस समय शामिल नहीं था, जिसके कारण उन्हें उस चयन वर्ष में पदोन्नति नहीं मिल सकी।

जनगणना-2027 के प्रथम चरण में कार्यरत कार्मिकों को मिलेगा मानदेय, PFMS से होगा भुगतान

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। जनगणना-2027 के प्रथम चरण (हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन-HLO) में कार्यरत प्रगणकों, पर्यवेक्षकों एवं अन्य जनगणना कार्मिकों को मानदेय भुगतान के निर्देश जारी किए गए हैं।सांख्यिकी विभाग के शासन सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर के निर्देशानुसार संबंधित जिलों को पात्र कार्मिकों के खातों में पीएफएमएस (PFMS) के माध्यम से शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने को कहा गया है।जारी निर्देशों के अनुसार जनगणना-2027 के प्रथम चरण के तहत 16 मई से 14 जून 2026 तक मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस कार्य में प्रगणकों, पर्यवेक्षकों तथा अन्य जनगणना कार्मिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त के निर्देशों के अनुरूप कार्य सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद मानदेय का भुगतान किया जाना है। विभागीय स्वीकृति आदेश के तहत जिले में कार्यरत प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों के लिए प्रति कार्मिक 9,000 रुपये मानदेय स्वीकृत किया गया है। वहीं, फील्ड ट्रेनर्स को 1,000 रुपये प्रति प्रशिक्षण तथा प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों (आरक्षित सहित) को 600 रुपये प्रशिक्षण भत्ता स्वीकृत किया गया है।

सचिव ने बताया कि संबंधित राशि जिलों एवं नगर निगमों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है, जबकि शेष भुगतान की प्रक्रिया जारी है।

सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि निर्धारित नियमों के अनुसार पात्र कार्मिकों के बैंक खातों में PFMS के माध्यम से जल्द से जल्द मानदेय का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। शासन सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने कहा कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में लगे सभी कार्मिकों का समय पर मानदेय भुगतान सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भुगतान प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो तथा सभी प्रकरणों का निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप समयबद्ध निस्तारण किया जाए।

उन्होंने बताया कि भुगतान प्रक्रिया को पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली (PFMS) का उपयोग किया जा रहा है, जिससे राशि सीधे पात्र कार्मिकों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जाएगी। इससे भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहेगी और किसी प्रकार की तकनीकी या प्रशासनिक त्रुटि की संभावना भी कम होगी।

ओबीसी राजनीतिक प्रतिनिधित्व सर्वे की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 26 जुलाई तक होगा सर्वे

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनीतिक प्रतिनिधित्व) आयोग ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) परिवारों के सर्वे की अंतिम तिथि बढ़ाकर 26 जुलाई 2026 कर दी है। आयोग ने सर्वे की प्रगति अपेक्षा से कम रहने के कारण यह निर्णय लिया है और स्पष्ट किया है कि इसके बाद किसी भी स्थिति में समय सीमा नहीं बढ़ाई जाएगी। आयोग के सचिव (सलाहकार) अशोक कुमार जैन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार राजधानी सर्वे मोबाइल एप के माध्यम से 10 जुलाई से 23 जुलाई तक सर्वे कराया जा रहा था। 23 जुलाई को दोपहर 12 बजे तक की समीक्षा में पाया गया कि अनुमानित जनसंख्या का केवल 69.86 प्रतिशत सर्वे ही पूरा हो पाया है। कई जिलों, विशेषकर शहरी क्षेत्रों में सर्वे की प्रगति काफी धीमी रही। आयोग ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि 26 जुलाई तक हर हाल में सर्वे कार्य पूर्ण कराया जाए। आयोग को पंचायत राज संस्थाओं एवं स्थानीय निकायों के चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण संबंधी अपनी अनुशंसा रिपोर्ट 5 अगस्त 2026 तक राज्य सरकार को प्रस्तुत करनी है। इसी को देखते हुए सर्वे की समय सीमा बढ़ाई गई है। आयोग ने कहा है कि 26 जुलाई तक प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण कर अंतिम रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इसलिए सभी संबंधित अधिकारियों को सर्वे कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समय सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं। आयोग ने सभी जिला प्रशासन, स्थानीय निकायों और संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए सर्वे कार्य में तेजी लाने को कहा है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं, जहां सर्वे की प्रगति अपेक्षाकृत कम रही है। अधिकारियों से कहा गया है कि प्रत्येक दिन की प्रगति की नियमित समीक्षा कर लंबित परिवारों का सर्वे प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाए। आयोग ने अधिकारियों को सर्वे प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता बनाए रखने और निर्धारित दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन करने के निर्देश दिए हैं।

मनोरंजन समाचार

‘मुझे खुद पर शक था...’, यूलिया वंतूर ने बताया जब सलमान खान ने बढ़ाया उनका हौसला

रोमानिया की मॉडल, सिंगर और एक्ट्रेस यूलिया वंतूर आज भारतीय मनोरंजन जगत में जाना-पहचाना नाम हैं। हालांकि, भारत में उनकी पहचान अक्सर सलमान खान के साथ जुड़ी खबरों से भी होती रही है, लेकिन यूलिया की अपनी एक अलग कहानी है। एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें खुद अपनी आवाज और हिंदी में गाने को लेकर भरोसा नहीं था।

उस दौर में सलमान खान ने उनकी क्षमता पर भरोसा जताया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए हौसला दिया। यूलिया ने खुद कई इंटरव्यू में बताया है कि सलमान के भरोसे ने उन्हें अपने टैलेंट को पहचानने में मदद की। यूलिया वंतूर का जन्म 24 जुलाई 1980 को रोमानिया में हुआ था। बचपन से ही उनका झुकाव ग्लैमर और मीडिया की दुनिया की तरफ था। उन्होंने महज 15 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी और धीरे-धीरे रोमानिया में अपनी पहचान बनाई। मॉडलिंग के बाद यूलिया ने टीवी की दुनिया में कदम रखा। वह रोमानिया की जानी-मानी टीवी एंकर बनीं और कई लोकप्रिय लाइव शो होस्ट किए। उन्होंने न्यूज एंकर के तौर पर भी काम किया। टीवी में उनके काम के लिए उन्हें कई सम्मान और पुरस्कार भी मिले। यूलिया ने एक इंटरव्यू में अपनी शुरुआत को याद करते हुए बताया था कि जब वह सिर्फ 19 साल की थीं, तब पहली बार न्यूज रूम पहुंची थीं। उन्होंने एंकर की नौकरी के लिए अप्लाई किया था।

‘बिग बॉस’ फेम सोनिया बंसल का श्रेया कालरा को समर्थन, बोलीं- ‘हर कहानी के कई पहलू होते हैं’

‘बिग बॉस’ फेम अभिनेत्री सोनिया बंसल एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हालांकि, इस बार वजह उनका कोई नया प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि अपनी दोस्त और ‘लॉक अप सीजन 2’ की कंटेस्टेंट श्रेया कालरा को लेकर दिया गया बयान है। सोशल मीडिया पर श्रेया कालरा और आकांक्षा चौधरी के बीच हुए विवाद को लेकर काफी चर्चा हो रही है। इसी बीच सोनिया ने खुलकर अपनी राय रखी है और श्रेया का समर्थन करते हुए कहा है कि किसी भी इंसान को सिर्फ एक घटना या सोशल मीडिया पर चल रही बातों के आधार पर नहीं आंकना चाहिए। सोनिया बंसल ने श्रेया कालरा के समर्थन में बात करते हुए कहा कि वह उन्हें लंबे समय से जानती हैं और उनके काम करने के तरीके से अच्छी तरह परिचित हैं। श्रेया मेरे लिए सिर्फ कंटेस्टेंट नहीं, बल्कि अच्छी दोस्त भी हैं। आईएएनएस से बात करते हुए सोनिया ने कहा, ''मैं 'लॉक अप सीजन 2' के लिए पूरी तरह श्रेया कालरा का समर्थन कर रही हूं, क्योंकि सबसे पहले वह मेरी दोस्त हैं। उन्होंने पहले मेरा इंटरव्यू लिया था और हर बातचीत में मैंने उन्हें बेहद मेहनती, सम्मान देने वाली और अपने काम को लेकर गंभीर पाया है। जिस आत्मविश्वास के साथ वह खुद को पेश करती हैं और लोगों से जुड़ने के लिए कंटेंट बनाती हैं, वह काबिल-ए-तारीफ है।'' आकांक्षा चौधरी से जुड़े विवाद पर बात करते हुए सोनिया ने कहा, ''इस मामले को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की बातें सामने आ रही हैं। मैं किसी भी व्यक्ति के बारे में सिर्फ ऑनलाइन चर्चाओं के आधार पर राय नहीं बनातीं। हर कहानी के कई पहलू होते हैं और किसी भी मामले को पूरी तरह समझने के लिए सभी पक्षों को जानना जरूरी है। मैं जानती हूं कि श्रेया किस तरह की इंसान हैं, इसलिए मैं उनका समर्थन कर रही हूं।'' उन्होंने आगे कहा, ''हम सभी से गलतियां होती हैं, गलतफहमियां भी होती हैं और कई बार परिस्थितियों को जरूरत से ज्यादा बढ़ा दिया जाता है। सबसे जरूरी बात यह है कि इंसान अपनी गलतियों से क्या सीखता है और आगे कैसे बढ़ता है।'' वह समझदार हैं, निडर हैं और दर्शकों से जुड़ना अच्छी तरह जानती हैं।

आर. माधवन ने छात्रों के समर्थन में उठाई आवाज, बोले- दोषियों को मिले ऐसी सजा जो मिसाल बने

नीट पेपर लीक मामले को देशभर में आक्रोश देखने को मिल रहा है। जंतर-मंतर से लेकर विभिन्न राज्यों में छात्र केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। छात्रों के साथ न्याय को लेकर कई सेलेब्स सामने उतर आए। अब इस लिस्ट में अभिनेता आर. माधवन का नाम जुड़ गया है। अभिनेता आर. माधवन ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर करते हुए लिखा, “शिक्षा देश का भविष्य बदलने की ताकत होती है और हर छात्र एक ऐसी व्यवस्था का हकदार है, जो निष्पक्ष, पारदर्शी और योग्यता पर आधारित हो। भारत के युवाओं की असीम क्षमता में विश्वास रखने वाले व्यक्ति के रूप में, मैं आज उन सभी छात्रों और अभिभावकों की चिंता और निराशा को समझता हूं।

CJP के प्रदर्शन पर इब्राहिम अली खान ने जताई चिंता, छात्रों के समर्थन में बोले- ‘शिक्षा के लिए डर का माहौल नहीं होना चाहिए’

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान भले ही अपने फिल्मी करियर की शुरुआत को लेकर चर्चा में रहते हों, लेकिन इस बार वह एक सामाजिक मुद्दे पर प्रतिक्रिया देने की वजह से सुर्खियों में हैं। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन और छात्रों के विरोध को लेकर इब्राहिम ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए छात्रों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इब्राहिम अली खान ने सोशल मीडिया अकाउंट पर तिरंगे की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, ''छात्रों और उनके परिवारों को इस तरह अशांति के बीच फंसा देखना बेहद दुखद है। सिर्फ पढ़ाई जारी रखने या शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से विरोध-प्रदर्शन करने के लिए किसी को भी डर या अनिश्चितता का सामना नहीं करना चाहिए। हमारी अपनी-अपनी राय हो सकती है, लेकिन मैं उम्मीद करता हूं कि सभी सुरक्षित रहें, सबकी बात शांति से सुनी जाए और बिना किसी और नुकसान के इस स्थिति का समाधान निकले। इस मुश्किल समय से प्रभावित सभी लोगों के लिए मैं हिम्मत की कामना करता हूं और उम्मीद करता हूं कि आगे का रास्ता सकारात्मक होगा। जय हिंद।'' इब्राहिम अली खान के अलावा फिल्म इंडस्ट्री के कई और कलाकारों ने भी इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। ऑस्कर विजेता साउंड डिजाइनर रसूल पुकुट्टी ने जंतर-मंतर पर हो रहे प्रदर्शन को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी बात रखी।

उन्होंने कहा कि पहले उन्हें लगता था कि दूसरे देशों में होने वाले ऐसे विरोध प्रदर्शन भारत से जुड़े नहीं हैं, लेकिन अब अपने ही देश में सामने आ रही तस्वीरें भी उतनी ही गंभीर नजर आती हैं। रसूल पुकुट्टी ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, ''जब अमेरिका के मिनेसोटा में आईसीई विरोध प्रदर्शन हुआ था, तब हमें लगा था कि वह हमारी समस्या नहीं है। लेकिन अब अपने ही देश के जंतर-मंतर की ओर देखिए। वहां की तस्वीरें काफी हद तक वैसी ही नजर आ रही हैं। मेरी प्यारे जेनजी, आपने खामोशी को हिम्मत में और हिम्मत को उम्मीद में बदल दिया है। आपका यह विरोध एक धड़कती हुई कविता की तरह है।''

तमिल फिल्म अभिनेत्री दुशारा विजयन ने भी छात्रों के समर्थन में अपनी बात रखी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, “सड़कों पर खड़े छात्रों को देखकर उनका मन बेहद व्यथित है। हर पोस्टर के पीछे एक ऐसा छात्र है, जिसने अपने सपनों को पूरा करने के लिए दिन-रात मेहनत की है और ऐसे युवाओं को डर और बल प्रयोग का सामना करते देखना बेहद दुखद है।”

दुशारा ने कहा, ''हमारी राजनीतिक सोच चाहे जो भी हो, लेकिन हमें ऐसा समाज नहीं बनना चाहिए जो अपने छात्रों की आवाज सुनना बंद कर दे। उनकी आवाज कोई खतरा नहीं है, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि उम्मीद अभी भी जिंदा है। मैं सभी छात्रों की सुरक्षा और उनके सम्मान की कामना करती हूं। मेरा दिल उनके साथ है।” बॉलीवुड से कई सितारे छात्रों के समर्थन में सामने आए हैं। आलिया भट्ट, सलमान खान, सोनाक्षी सिन्हा समेत कई कलाकारों ने अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं।

शेफाली जरीवाला के निधन के 13 महीने बाद पराग त्यागी पर फिर टूटा दुखों का पहाड़, अब पेट डॉग सिम्बा की हुई मौत

‘कांटा लगा गर्ल’ शेफाली जरीवाला का 27 जून, 2025 को 42 साल की उम्र में निधन हो गया था। शेफाली की मौत से उनके पति और एक्टर पराग त्यागी बुरी तरह टूट गए। पराग अक्सर शेफाली की तस्वीरें-वीडियो शेयर करते हुए उनकी यादें फैंस के साथ साझा करते रहते हैं। अब तक पराग, शेफाली की मौत के गम से बाहर नहीं आ पाए थे कि अब उन पर दुखों का एक और पहाड़ टूट पड़ा है। शेफाली और पराग का प्यारा पेट डॉग सिम्बा भी अब इस दुनिया में नहीं रहा। शेफाली के गुजरने के लगभग एक साल बाद, उनके पालतू कुत्ते सिम्बा की भी मौत हो गई, जो अक्सर शेफाली और उनके पति पराग त्यागी के सोशल मीडिया पोस्ट में दिखाई देता था। शेफाली, अपने पेट डॉग को अपने बच्चे की तरह मानती थीं और उनके जाने के बाद पराग सिम्बा का ख्याल रख रहे थे। अब पराग ने एक दिल को छू लेने वाले कैप्शन के साथ सिम्बा के मौत की जानकारी दी है। पराग त्यागी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसके जरिए उन्होंने सिम्बा की मौत की जानकारी दी। पराग कई बार बता चुके हैं कि शेफाली, सिम्बा से कितना प्यार करती थीं और अब उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए सिम्बा को आखिरी विदाई दी है। वीडियो शेयर करते हुए पराग ने कैप्शन में लिखा, ‘अब मम्मा (शेफाली) अकेली नहीं हैं, सिम्बा भी मम्मा के पास है और बहुत खुश है। मैं आप दोनों से दूसरी दुनिया में मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।’ इस वीडियो में शेफाली, सिम्बा पर प्यार लुटाती दिख रही थीं। पराग त्यागी का पोस्ट देखने के बाद फैंस ने भी कमेंट के जरिए सिम्बा की मौत पर दुख जाहिर किया और पराग को ढांढस बंधाया। एक ने कमेंट में लिखा, ‘इतना दर्द सहने के बाद भी आप जिस तरह पॉजिटिव बने हुए हैं, वह बहुत ही प्रेरणादायक है। आप हर स्थिति में पॉजिटिविटी ढूंढ लेते हैं। भगवान की कृपा आप पर बनी रहे। रेस्ट इन पीस सिम्बा।’

एक ने लिखा- ‘बहुत ही दुखद, भगवान सिम्बा की आत्मा को शांति दे।’ एक और लिखता है - ‘ये बहुत ही दुखद खबर है। आपके लिए प्यार, प्रार्थना और हिम्मत। ईश्वर आप पर अपनी कृपा बनाए रखे।’

शेफाली जरीवाला के गुजरने के एक महीने बाद, 27 जुलाई को पराग ने सिम्बा की तरफ से शेफाली के लिए एक नोट लिखा था। 27 जून को शेफाली जरीवाला की पहली बरसी थी और एक्टर ने अपने डॉग सिम्बा के साथ आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के साथ उनकी पुण्यतिथि मनाई थी। वहीं इससे पहले पराग ने एक वीडियो शेयर करते हुए बताया था कि शेफाली की पहली बरसी से पहले वह 21 दिनों की करेंगे साधना। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें कहा- ‘आज हिंदू पंचाग के हिसाब से आज परी को अपना शरीर छोड़े हुए 1 साल हो गया है। इसलिए मैं आज से नई साधना शुरू कर रहा हूं। ये 21 दिनों की है, जो ब्रह्म मुहूर्त में होती है।’ पराग त्यागी की इस भावुक पोस्ट ने सोशल मीडिया पर हजारों लोगों को भावुक कर दिया।

फैंस के साथ-साथ टीवी और फिल्म जगत से जुड़े कई कलाकारों ने भी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए सिम्बा को श्रद्धांजलि अर्पित की और पराग को इस कठिन समय में हिम्मत बनाए रखने की सलाह दी। कई यूजर्स ने लिखा कि पालतू जानवर परिवार का हिस्सा होते हैं और उनका बिछड़ना किसी अपने को खोने जैसा दर्द देता है। शेफाली जरीवाला अपने पालतू कुत्ते सिम्बा से बेहद लगाव रखती थीं।

बादशाह की पत्नी ईशा ने शेयर किया इमोशनल पोस्ट, कैप्शन ने किया कन्फ्यूज, फैंस लगा रहे तलाक के कयास

रैपर बादशाह और उनकी पत्नी-एक्ट्रेस ईशा रिखी की गुरुद्वारे में शादी हुए चार महीने हो चुके हैं। तब से दोनों ने अपनी जिंदगी को काफी हद तक प्राइवेट रखा है और सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के साथ कुछ भी पोस्ट नहीं किया है। मार्च 2026 में ईशा ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए बताया था कि बादशाह उनक पति हैं। इसके बाद उनकी मां पूनम रिखी ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें बादशाह और ईशा को शादी के मंडप पर देखा जा सकता है। अब सोशल मीडिया पर बादशाह की पत्नी ईशा ने एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसका कैप्शन चर्चा में है और लोग कयास लगा रहे हैं कि क्या शादी के 4 साल बाद बादशाह और ईशा तलाक लेने वाले हैं। ईशा रिखी का हालिया पोस्ट हैरान करने वाला है।

इस वीडियो की शुरुआत बादशाह और ईशा के एक खुशमिजाज क्लिप से होती है, जिसके बाद उनकी शादी की झलक, एक ग्रुप फोटो और आखिर में ईशा के रोने और बादशाह के उन्हें गले लगाने की तस्वीर है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, ‘हर तूफान एक सबक है। हर प्रार्थना एक उम्मीद है’ साथ ही हाथ जोड़ने और टूटे हुए दिल वाले इमोजी भी लगाए हैं।

इस कैप्शन ने सभी को कन्फ्यूज कर दिया। 2020 में उनका तलाक हो गया और कपल की एक बेटी जेसेमी ग्रेस मसीह सिंह है, जिनका जन्म जनवरी 2017 में हुआ था।

बड़े पर्दे पर पहली बार खुद को देख इमोशनल हुईं डोनल बिष्ट, बोलीं– अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है

टीवी अभिनेत्री डोनल बिष्ट कॉमेडी-थ्रिलर फिल्म ‘एमआरपी’ से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया है। तेलुगु सिनेमा में अपना अनुभव शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि खुद को पहली बार बड़े पर्दे पर देखना उनके लिए एक यादगार पल में से एक था। हैदराबाद में एमआरपी के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने खुद को बड़े पर्दे पर देखने के इमोशनल पल को याद करते हुए कहा, “एक अलग माध्यम और भाषा में काम करना मेरे लिए बेहद शानदार था। तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री अपनी शानदार कहानियों और फिल्म निर्माताओं की वजह से दुनियाभर में अलग पहचान रखता है और ऐसी जगह से इतना प्यार मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।” डोनल बिष्ट ने कहा कि हिंदीभाषी दर्शक भी तेलुगु फिल्मों को उतना ही प्यार देते हैं।

मैं बहुत खुश हूं कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री ने मुझे खुले दिल से स्वीकार किया। मेरे मन में सिर्फ आभार है और मैं खुद को बहुत भाग्यशाली महसूस करती हूं।

अभिनेत्री ने कहा, “मैंने टीवी और वेब प्लेटफॉर्म पर काम किया है, लेकिन खुद को पहली बार इतने बड़े पर्दे पर देखना बहुत भावुक कर देने वाला था। हर नया अवसर मुझे कुछ नया सिखाता है और इस फिल्म ने मुझे फिल्म निर्माण को एक नए नजरिए से समझने का मौका दिया। इससे मुझे एहसास हुआ कि एक कलाकार के तौर पर अभी मुझे बहुत कुछ सीखना है।” डोनल ने यह भी कहा कि वह आगे भी हिंदी फिल्मों के साथ-साथ तेलुगु सिनेमा में काम करना चाहती हैं।

उन्होंने कहा, “फिल्मों की दुनिया में यह मेरा पहला कदम है और अब तक मिले हर प्यार और समर्थन के लिए मैं दिल से आभारी हूं।

मैं उम्मीद करती हूं कि आगे भी ऐसे सार्थक प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनूं और एक कलाकार के रूप में लगातार आगे बढ़ती रहूं।” डोनल बिष्ट ने कहा कि किसी भी कलाकार के लिए नई भाषा और नए सांस्कृतिक माहौल में काम करना एक चुनौती के साथ-साथ सीखने का अवसर भी होता है। उन्होंने बताया कि फिल्म की पूरी टीम ने उन्हें शुरुआत से ही सहयोग दिया, जिससे भाषा और कार्यशैली से जुड़ी कठिनाइयों को पार करना आसान हो गया।

सार समाचार

इजरायल के ऊर्जा मंत्री बोले, 'ईरान ने हमला किया तो देंगे करारा जवाब'

तेल अवीव। इजरायल के ऊर्जा मंत्री एली कोहेन ने गुरुवार को कहा कि देश किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए 'हाई अलर्ट' पर है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ईरान ने कोई हमला किया तो इजरायल उसका करारा जवाब देगा। स्थानीय रेडियो स्टेशन 103एफएम को दिए इंटरव्यू में कोहेन ने कहा कि इजरायल पिछले तीन सप्ताह से पूरे क्षेत्र के घटनाक्रम पर करीबी नजर रखे हुए है। उन्होंने कहा, "मध्य पूर्व को अस्थिर करने वाला केवल एक देश है और वह ईरान है। यदि ईरान कोई गलती करता है, तो हम पूरी ताकत से जवाब देंगे।"

कोहेन ने कहा, "इजरायल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान परमाणु हथियार हासिल न कर सके। क्षेत्र में दीर्घकालिक स्थिरता के लिए तेहरान में सत्ता परिवर्तन आवश्यक है।"

उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते की भी आलोचना करते हुए कहा कि इजरायल ने पहले ही वॉशिंगटन से कहा था कि तेहरान के साथ समझौते काकोहेन का यह बयान ऐसे समय आया है जब इसका कोई लाभ नहीं है।

कोहेन का यह बयान ऐसे समय आया है जब इजरायली सार्वजनिक प्रसारक केएएन ने बुधवार को रिपोर्ट दी कि अमेरिका द्वारा ईरान पर हमले तेज किए जाने के बाद इजरायल ने संभावित सैन्य टकराव की आशंका को देखते हुए अपना सुरक्षा अलर्ट बढ़ा दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि हालिया घटनाक्रम से मौजूदा तनाव में इजरायल के सीधे शामिल होने की संभावना बढ़ गई है।

केएएन की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने इजरायल को सूचित किया है कि वह आने वाले दिनों में ईरान पर अपने हमले और तेज कर सकता है।

ट्रंप सशर्त सऊदी अरब से सिविल न्यूक्लियर डील को तैयार

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका और सऊदी अरब के बीच प्रस्तावित सिविल न्यूक्लियर डील पूरी तरह इस बात पर निर्भर करेगी कि सऊदी अरब अब्राहम समझौते में शामिल होता है या नहीं। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, "अमेरिका असैन्य परमाणु सुविधाओं का विरोध नहीं करता और प्रस्तावित समझौता केवल शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए होगा। यह वही मॉडल है, जैसा ईरान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और अन्य देशों के पास पहले से मौजूद है।" प्रस्तावित समझौते के तहत सऊदी अरब को अमेरिकी तकनीक की मदद से परमाणु रिएक्टर बनाने और यूरेनियम संवर्धन की अनुमति मिलेगी।

पाकिस्तान: भारी बारिश और फ्लैश फ्लड ने मचाई तबाही, खैबर पख्तूनख्वा में 18 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में मूसलाधार बारिश और फ्लैश फ्लड ने बड़े स्तर पर तबाही मचाई है। खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में 19 जुलाई से अब तक बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में 18 लोगों की मौत हो गई जबकि 19 अन्य घायल हुए हैं। यह जानकारी प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने गुरुवार को दी। पीडीएमए के अनुसार, अधिकांश मौत मकानों की छत या दीवार गिरने और लोगों के फ्लैश फ्लड की चपेट में आने से हुईं। मृतकों में आठ बच्चे, सात पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। वहीं, घायलों में 11 पुरुष, चार महिलाएं और चार बच्चे हैं। बारिश और बाढ़ से 30 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनमें 23 आंशिक रूप से और सात पूरी तरह से नष्ट हो गए। बारिश से जुड़ी घटनाएं बुनैर, स्वाबी, मर्दान, बाजौर, शांगला, लोअर चितराल, पेशावर, नौशेरा, खैबर, लोअर और अपर दीर, एबटाबाद, मानसेहरा, तोर घर, कुर्रम तथा उत्तर और दक्षिण वजीरिस्तान सहित कई जिलों में दर्ज की गई हैं।

पीडीएमए ने बताया कि रेस्क्यू 1122, जिला प्रशासन और अन्य संबंधित विभागों के साथ मिलकर प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव अभियान जारी है। उधर, पंजाब प्रांत के गुजरांवाला, नारोवाल, पाकपत्तन और लाहौर में भी बारिश से जुड़ी घटनाओं में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 अन्य घायल हुए हैं।

सबसे अधिक प्रभावित गुजरांवाला रहा, जहां मकानों की छत और दीवार गिरने, तालाबों में डूबने और करंट लगने जैसी घटनाओं में छह लोगों, जिनमें अधिकांश बच्चे थे, की जान चली गई। वहीं, पाकपत्तन में बारिश के दौरान मकान की छत गिरने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई और उनकी मां घायल हो गई।

ईरान ने अमेरिका को दे दी बहुत बड़ी चोट! कुवैत और जॉर्डन में हमले के बाद किया बड़ा दावा

तेहरान। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स और ईरानी सेना ने गुरुवार को कुवैत और जॉर्डन में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले करने का दावा किया है। ईरान का कहना है कि यह कार्रवाई अमेरिका द्वारा उसके खिलाफ लगातार किए जा रहे हमलों के जवाब में की गई। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। ईरान की सरकारी मीडिया इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के मुताबिक, IRGC ने बयान जारी कर कहा कि जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डों पर तेज हमले कर अमेरिकी थाड मिसाइल डिफेंस सिस्टम के रडार को नष्ट कर दिया गया है। बता दें कि ईरान ने लगातार कहा है कि वह अमेरिकी हमलों का जवाब देता रहेगा। IRGC ने दावा किया कि हमलों में पैट्रियट मिसाइल रक्षा प्रणाली, सी-रैम (C-RAM) रडार भी नष्ट कर दिए गए। इसके अलावा अमेरिकी सैन्य अड्डे पर मौजूद ईंधन टैंकों में आग लगा दी गई। IRGC का यह भी दावा है कि हेलीकॉप्टर उपकरणों का बड़ा गोदाम और हेलीकॉप्टरों की मरम्मत एवं रखरखाव केंद्र भी हमलों में क्षतिग्रस्त होकर नष्ट हो गए। जॉर्डन की जनता को संबोधित करते हुए IRGC ने कहा कि ईरान जॉर्डन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करता है, लेकिन उसके अनुसार अमेरिकी सैन्य ठिकानों की मौजूदगी ही जॉर्डन की संप्रभुता का उल्लंघन है। दूसरी ओर, ईरानी सेना ने 'ऑपरेशन लाइटनिंग' के 23वें फेज का ऐलान करते हुए दावा किया कि उसने ड्रोन हमलों के जरिए कुवैत में स्थित अमेरिका के 3 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरानी सेना के जनसंपर्क विभाग के मुताबिक, ड्रोन हमलों में दोहा बेस पर मौजूद गोला-बारूद और लॉजिस्टिक्स डिपो, अली अल सलेम बेस के ईंधन टैंक और अरिफजान कैंप के गोला-बारूद डिपो को निशाना बनाया गया। IRGC ने एक अन्य बयान में कहा कि उसके बलों ने कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस पर अमेरिकी सैन्य सुविधाओं को निशाना बनाया है। CENTCOM ने यह भी कहा कि इस महीने अमेरिकी सेना ने ईरान के भीतर दर्जनों सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है।

पाकिस्तान: बलूचिस्तान में जज की गोली मारकर हत्या, सुरक्षाकर्मी भी ढेर

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में गुरुवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने एक जज की गोली मारकर हत्या कर दी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अब्दुल हकीम काकर के साथ ही उनका सुरक्षाकर्मी भी इस हमले में मारा गया। वहीं, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश तारिक लशारी समेत दो अन्य लोग घायल हो गए। प्रमुख दैनिक डॉन ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि जज अब्दुल हकीम काकर और अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश तारिक लशारी क्वेटा से मस्तुंग जा रहे थे। इसी दौरान वली खान क्रॉसिंग के पास अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने उनके काफिले पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। बलूचिस्तान गृह विभाग के अधिकारी बाबर यूसुफजई ने बताया कि हमले में जज काकर और उनके सुरक्षाकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायल हुए लोगों को इलाज के लिए मस्तुंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक दिन पहले ही मस्तुंग के खुद कोचा इलाके में कराची जा रही एक यात्री बस पर हमला किया गया था। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई थी और पांच घायल हो गए थे। हमलावरों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक पुल को भी बम से उड़ा दिया था। घटना के बाद प्रशासन ने बुधवार रात 9 बजे से खुद कोचा उप-तहसील में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लागू कर दिया। हालिया हमला सुरक्षा बलों द्वारा इस सप्ताह मस्तुंग में तीन कथित आतंकवादियों के मारे जाने के बाद हुआ है। पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा आईएसपीआर के अनुसार, इस अभियान में दो आत्मघाती हमलावरों और उनके एक सहयोगी को भी गिरफ्तार किया गया था। वहीं, सुराब जिले में भी सात कथित आतंकी मारे गए थे। कहा गया कि बदहाल कानून-व्यवस्था को देखते हुए सरकार ने ये कदम उठाया है।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन जल्द दे सकते हैं इस्तीफा, राजनीतिक हलचल तेज

ढाका। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन जल्द इस्तीफा दे सकते हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कई सूत्रों ने दावा किया है कि राष्ट्रपति पद छोड़ने की प्रक्रिया जल्द शुरू हो सकती है। इसकी अटकलें काफी दिनों से लगाई जा रही थी। मोहम्मद शहाबुद्दीन ने अप्रैल 2023 में राष्ट्रपति पद संभाला था और जुलाई 2024 के बड़े प्रदर्शनों के बाद भी अपने पद पर बने रहने वाले देश के एकमात्र शीर्ष संवैधानिक पदाधिकारी हैं। बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक 'द डेली स्टार' ने सूत्रों के हवाले से बताया कि राष्ट्रपति इस साल मई में इलाज के लिए लंदन गए थे। इस दौरान उनकी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना से फोन पर बातचीत हुई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, खुफिया एजेंसियों को इस बातचीत की जानकारी मिलने के बाद राष्ट्रपति से पद छोड़ने को कहा गया।

हालांकि, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि यह फोन बातचीत ही इस्तीफे का एकमात्र कारण नहीं है और पूरा मामला इससे कहीं अधिक जटिल है। 'टाइम्स ऑफ बांग्लादेश' के अनुसार, राष्ट्रपति के करीबी एक सूत्र ने दावा किया है कि शहाबुद्दीन 31 जुलाई तक इस्तीफा दे सकते हैं और इसके बाद ढाका के गुलशन स्थित अपने आवास पर स्थानांतरित हो सकते हैं।

वहीं, राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने फोन पर बातचीत में इस्तीफे से इनकार नहीं किया, लेकिन इस विषय पर अधिक जानकारी देने से मना कर दिया। राष्ट्रपति के संभावित इस्तीफे की खबर ऐसे समय सामने आई है जब बीएनपी नेतृत्व वाली सरकार अवामी लीग से जुड़े नेताओं पर कार्रवाई तेज कर रही है।

यह घटनाक्रम राष्ट्रपति शहाबुद्दीन के उन हालिया दावों के बाद भी आया है, जिनमें उन्होंने कहा था कि पूर्व मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने उन्हें पद से हटाने की काफी कोशिश की थी।

इस साल की शुरुआत में बांग्लादेशी अखबार कालेर कांठो को दिए एक साक्षात्कार में शहाबुद्दीन ने दावा किया था कि अंतरिम सरकार के लगभग डेढ़ साल के कार्यकाल के दौरान उन्हें महत्वपूर्ण चर्चाओं से दूर रखा गया।

लावरोव और रूबियो की मुलाकात, यूक्रेन संघर्ष के समाधान पर हुई बात

मनीला। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने गुरुवार को मनीला में आयोजित आसियान मंत्रिस्तरीय बैठकों के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से मुलाकात की। इस बैठक में यूक्रेन संघर्ष सुलझाने को लेकर मास्को तत्पर दिखा और 'एंकोरेज फॉर्मूले' को लेकर प्रतिबद्धता जताई। रूसी मीडिया के अनुसार, लावरोव ने कहा कि यूक्रेन संघर्ष के समाधान के लिए मास्को तैयार है और एंकोरेज में हुई सहमति को लेकर प्रतिबद्धता बनाए जताई। उन्होंने रूबियो को युद्ध क्षेत्र की मौजूदा स्थिति की जानकारी दी और यूक्रेन को आगे हथियारों की आपूर्ति नहीं करने के महत्व पर जोर दिया। रूस के विदेश मंत्रालय के हवाले से बताया गया कि दोनों नेताओं ने रूस और अमेरिका के राजनयिक मिशनों के कामकाज को सामान्य बनाने के मुद्दे पर भी चर्चा की।

इसके अलावा पश्चिम एशिया की स्थिति सहित कई क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

रूसी समाचार एजेंसी टीएएसएस के अनुसार, दोनों विदेश मंत्रियों ने इस बात पर सहमति जताई कि विदेश मंत्रालयों के बीच संपर्क जारी रखा जाएगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय संगठनों के मंच भी शामिल हैं।

बैठक में भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। इससे पहले 26 जून में लावरोव ने यूक्रेन संकट के समाधान में अमेरिका की भूमिका को लेकर स्पष्टता की मांग की थी। यह बयान मार्को रूबियो की उन टिप्पणियों के बाद आया था, जिनमें उन्होंने एंकोरेज शिखर बैठक के परिणामों पर चर्चा की थी।

विदेश मंत्री जयशंकर ने फिलीपींस के राष्ट्रपति से की मुलाकात, रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने पर जोर

मनीला। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने गुरुवार को फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर से मुलाकात कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं पहुंचाईं और आसियान की अध्यक्षता के लिए भारत का पूर्ण समर्थन जारी रखने की बात कही। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी। कहा कि उन्हें राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर से मुलाकात कर खुशी हुई। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुभकामनाएं राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर तक पहुंचाईं और आसियान की अध्यक्षता के सफल संचालन के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। भारत-फिलीपींस कार्ययोजना 2025-2029 के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है।"

विदेश मंत्री जयशंकर फिलीपींस की आधिकारिक यात्रा पर हैं, जहां वह आसियान ढांचे के तहत आयोजित विदेश मंत्रियों की बैठकों में भाग ले रहे हैं।

इससे पहले बुधवार को उन्होंने फिलीपींस की विदेश मंत्री मारिया थेरेसा पी. लाजारो से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं ने भारत-फिलीपींस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की तथा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के हालिया घटनाक्रमों की समीक्षा की।

जयशंकर ने बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश, शिक्षा, रक्षा और सुरक्षा, समुद्री सहयोग, क्षमता निर्माण तथा विकास सहयोग जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और आगे बढ़ाने पर सहमति बनी।

बैठक के बाद फिलीपींस की विदेश मंत्री थेरेसा लाजारो ने भी कहा कि दोनों नेताओं के बीच रणनीतिक साझेदारी को लेकर सार्थक और सकारात्मक चर्चा हुई। उन्होंने कहा, "दोनों देशों ने फिनटेक, व्यापार एवं निवेश, उच्च शिक्षा, दवा उद्योग, रक्षा, समुद्री सुरक्षा और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।" भारत में फिलीपींस के राजदूत जोसेल एफ. इग्नासियो ने आईएएनएस से बातचीत में जयशंकर की यात्रा को महत्वपूर्ण बताया था। उन्होंने कहा, "विदेश मंत्री वर्ष 2022, 2024 और अब 2026 में लगातार फिलीपींस का दौरा कर चुके हैं। इस नियमित संवाद से दोनों देशों के बीच आपसी हितों से जुड़े मुद्दों पर गहन चर्चा का अवसर मिलता है।"

उन्होंने यह भी बताया कि मनीला में आसियान-भारत पोस्ट-मिनिस्ट्रियल कॉन्फ्रेंस के साथ-साथ क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक का आयोजन भी हुआ, जिसे क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पापुआ न्यू गिनी, ब्रुनेई के विदेश मंत्रियों के साथ की द्विपक्षीय वार्ता

मनीला। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने गुरुवार को मनीला में आसियान रीजनल फोरम (एआरएफ) के मौके पर पापुआ न्यू गिनी और ब्रुनेई के अपने समकक्षों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें कीं। इस दौरान द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने और प्रमुख क्षेत्रों में जुड़ाव बढ़ाने पर चर्चा हुई। पापुआ न्यू गिनी के विदेश मंत्री जस्टिन डब्ल्यू. तकाचेंको के साथ अपनी मीटिंग के दौरान, विदेश मंत्री जयशंकर ने प्रशांत महासागर के द्वीपीय देश की विकास प्राथमिकता के साथ-साथ समुद्री सुरक्षा को समर्थन करने के लिए भारत की तैयारी पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने फोरम फॉर भारत-पैसिफिक आइलैंड्स कोऑपरेशन (एफआईपीआईसी) के जरिए आपसी सहयोग को गहरा करने पर भी चर्चा की। बैठक की जानकारी साझा करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, "मनीला, फिलीपींस, आसियान में पापुआ न्यू गिनी के विदेश मंत्री जस्टिन डब्ल्यू. टकाचेंको से मिलकर खुशी हुई। फोरम फॉर इंडिया-पैसिफिक आइलैंड्स कोऑपरेशन के जरिए द्विपक्षीय सहयोग के बारे में बात की। भारत पैसिफिक आइलैंड देशों के विकास और कैपेसिटी बिल्डिंग प्राथमिकता के लिए उनके साथ साझेदारी करने के लिए तैयार है, साथ ही उनकी समुद्री सुरक्षा को भी समर्थन करेगा।" विदेश मंत्री जयशंकर ने ब्रुनेई के विदेश मंत्री अब्दुल मतीन से भी मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने नई तकनीक में सहयोग बढ़ाने पर बात की और आसियान के जरिए जुड़ाव को और मजबूत करते हुए भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत द्विपक्षीय साझेदारी को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए।

नेपाल ने भारत-बांग्लादेश को बिजली बेचकर की रिकॉर्ड कमाई

काठमांडू। नेपाल ने वित्त वर्ष 2025-26 में बिजली निर्यात से रिकॉर्ड कमाई की है। देश ने मानसून के दौरान अतिरिक्त जलविद्युत उत्पादन कर भारत और बांग्लादेश को बिजली बेचकर 29.32 अरब नेपाली रुपए की कमाई की। नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के अनुसार, यह आय पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 67.96 प्रतिशत अधिक है और बिजली निर्यात से अब तक की सबसे बड़ी वार्षिक कमाई है।

वित्त वर्ष 2024-25 में नेपाल ने बिजली निर्यात से 17.46 अरब नेपाली रुपए अर्जित किए थे। एनईए के आंकड़ों के अनुसार, नेपाल का बिजली निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 में 2.3829 अरब यूनिट (केडब्ल्यूएच) से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 3.877 अरब यूनिट हो गया। नेपाल ने औसतन 7.56 नेपाली रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली बेचकर यह रिकॉर्ड आय हासिल की। नेपाल की बिजली का सबसे बड़ा खरीदार भारत बना हुआ है। इसके अलावा, भारत के ट्रांसमिशन ग्रिड के माध्यम से नेपाल, बांग्लादेश को भी बिजली निर्यात कर रहा है।

भारत के बिजली बाजारों में इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) डे-अहेड मार्केट, रियल-टाइम मार्केट और भारत की एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम (एनवीवीएन) के साथ दीर्घकालिक बिजली व्यापार समझौते के तहत नेपाल बिजली बेचता है। वित्त वर्ष 2024-25 में नेपाल ने 1.6804 अरब यूनिट बिजली आयात की थी, जिस पर 12.92 अरब नेपाली रुपए खर्च हुए थे।

SPORTS NEWS

SA20 2027 schedule announced, tournament to open with rematch of 2026 final; Newlands to host title clash

The SA20 organisers on Thursday announced the schedule for the upcoming season, with defending champions Sunrisers Eastern Cape and Pretoria Capitals playing a repeat of last season's final in the first match of the fifth season. The tournament will be played across six stadiums from January 17 to February 21. The SA20 has hogged the limelight in the past few seasons. It has also helped in churning out domestic talents in South Africa, former Proteas speedster Dale Steyn had recently stated. Coming back to the schedule for the upcoming season. St George's Park in Gqeberha will kick the tournament off on January 17, while Newlands will be hosting the final for the second time in a row and for the third time overall. The near month-long league stage will feature four Saturday double-headers, falling on January 23, January 30, February 6 and February 13. The league stage will run till February 14 with MI Cape Town facing Pretoria Capitals.

Yuvraj Singh, Shikhar Dhawan, Manu Bhaker among other athletes break silence on students' protest in Delhi

The students' protest demanding Union Education Minister Dharmendra Pradhan's resignation over the NEET-UG paper leak has escalated, and now voices from outside the political sphere are being heard. The protest led by the CJP has taken a violent turn, with the opposition also becoming a part of it. For more than a month, the protesters have taken to the streets of Central Delhi to demand educational reforms.

Police, in the last couple of days, have blocked exits and metro gates to stop the students and also allegedly used force, including lathi charges and tear gas on July 20 during the proposed Parliament march. Indian athletes Nikhat Zareen, Manu Bhaker, Sahal Abdul Samad, along with former sports stars Abhinav Bindra, Yuvraj Singh and Shikhar Dhawan, took to social media urging patience and dialogue between the government and protesting students. Former Indian cricket stars Yuvraj Singh and Shikhar Dhawan highlighted the importance of patience and keeping faith in the country's government amid the protests. Shikhar, in particular, stressed that every challenge finds resolution through patience.

Vaibhav Sooryavanshi creates world record, shatters Sachin Tendulkar's India feat with Zimbabwe fifty

Vaibhav Sooryavanshi has etched his name into the history books as he smashed his maiden T20I half-century during the first T20I against Zimbabwe at the Harare Sports Club on Thursday, July 23. Sooryavanshi, who had an underwhelming start to his International career, made the most of the fourth opportunity he got in Indian colours with a stellar fifty in Harare. The 15-year-old Sooryavanshi created a huge record as he became the youngest-ever batter to hit an international fifty. At 15y and 118d, Sooryavanshi shattered the previous record of Nepal's Kushal Malla, who was 15y and 340d old when he hit a fifty during an ODI against USA in 2020. Meanwhile, Sooryavanshi also broke the India record of Sachin Tendulkar with his stroke-filled fifty. Tendulkar was the youngest half-centurion from India when he was 16y and 213 days old after smashing a fifty during the Faisalabad Test against Pakistan. Sooryavanshi is also the youngest to score a T20I fifty. The previous record was held by Gibraltar's Louis Bruce, who was 16y and 56d old when he smashed a fifty against Malta in 2021. Afghanistan's Rahmanullah Gurbaz was 17y 296d when he smashed a fifty against Zimbabwe in 2019. The Indian bowlers did well to restrict Zimbabwe to 125/7. Making his comeback after 2024, Mayank Yadav scalped two wickets for 18 in his four overs.

Commonwealth Games Opening ceremony live streaming details: When and where to watch event in India?

The Commonwealth Games kick off on July 23 as Glasgow hosts 74 nations participating in 10 sporting events for the quadrennial event that will run till August 2. The CWG 2026 is still a prestigious event, but the sporting disciplines have been truncated from 19 for the 2022 CWG to just 10 for the Glasgow Games. India have sent a contingent of 125 athletes with 77 men and 48 female athletes bidding for glory. Neeraj Chopra, Mirabani Chanu, Lovlina Borgohain and Jaismine Lamboria, among others, headline the contingent. The Games have kicked off with some events taking place before the opening ceremony. India's Putul Sonowal registered a win in his first match of the bowls, stunning the current world outdoor champion Ryan Bester, while India's women's pair of Rupa Rani Tirkey (lead) and Pinki Singh (skip) defeated the Maltese duo of Rebecca Louise Rixon (lead) and Connie-Leigh Rixon (skip) in the women's bowls event. However, the action now shifts to the opening ceremony as decorated weightlifter and three-time CWG medallist Mirabai Chanu and star boxer Lovlina Borgohain will be the flag-bearers of the Indian contingent for the CWG 2026. Chanu and Borgohain are both Olympic medallists too, with the weightlifter having won a silver in the 2021 Tokyo Games and Borgohain having clinched a bronze in the same Olympics. While Borgohain had not won a Commonwealth medal in her previous appearances, she has assured a medal at the 2026 CWG after earning a bye in the quarterfinals and moving into the semifinals. Stars will set the stage alight at the opening ceremony as the likes of Tom Walker, KT Tunstall, Callum Beattie, Nina Nesbitt, Valtos, Nathan Evans, and Saint PHNX will be performing at the Glasgow opening ceremony. The Commonwealth Games 2026 opening ceremony is scheduled to start at 12:30 AM IST (on July 24). Fans can tune in to the Sony Sports Network to watch the opening ceremony live on TV in India, while users can stream the ceremony online on the SonyLiv app and website. The Commonwealth Games 2026 officially get underway on July 23, with Glasgow once again playing host to one of the biggest multi-sport events in the world. Athletes from 74 Commonwealth nations and territories will compete across 10 sporting disciplines during the quadrennial event, which runs until August 2.

Who is Putul Sonowal, the 43-year-old Indian who stunned world champion in bowls at Commonwealth Games?

India's Putul Sonowal made headlines for defeating the reigning world outdoor champion Ryan Bester in the bowls event at the Commonwealth Games 2026 on Thursday, July 23. Sonowal, the 43-year-old, defeated the Canadian champion in a tie-breaker in Section D to march into the next round. Sonowal, who is making his Commonwealth Games debut, won the first set 5-4 before the Canadian made a comeback to with a 7-3 win in the second set. The contest moved into the tie-breaker, where the Indian kept his nerve to bag a famous win. He will now be up against Falkland Islands' Cecil Alexander in the second match tomorrow. The victory stands as a historic one, considering Bester is the current world outdoor champion. He has seven World Outdoor Championships medals in Singles and Pairs. The Canadian also won a gold and a bronze in the singles event in 2023 in Paris. Bester won a bronze in the 2006 CWG and silver each in the 2014 and 2018 Games. He was also placed in the first World Bowls Hall of Fame class in 2025. He has won a gold medal at the Asian Lawn Bowls Championships in 2026, a huge milestone in his career.

PV Sindhu, Lakshya Sen, Ayush Shetty knocked out of China Open 2026 on same day

India's challenge at the China Open 2026 came to an end on Thursday, July 23, after PV Sindhu, Lakshya Sen and Ayush Shetty were all eliminated in the second round of the BWF Super 1000 tournament in Changzhou.

Sindhu came closest to advancing, taking fourth seed Chen Yufei to three games before the home favourite recovered to book a place in the quarter-finals. The former world champion eventually went down 16-21, 22-20, 21-18 after an hour and 29 minutes of competition.

The defeat came just a week after Sindhu had overcome Chen Yufei in the semi-finals of the Japan Open on her way to lifting the title.

She erased the deficit to level at 16-16 before winning five of the next six points to move ahead in the contest.

Sachin Tendulkar, Shubman Gill react to students' protests in Delhi, Master Blaster shares father's teachings

India cricket legend Sachin Tendulkar and ODI and Test captain Shubman Gill reacted to the ongoing students' protests in Delhi against the alleged NEET paper leak. Tendulkar shared an anecdote on his father's teachings from the early days and hoped that the nation would find a solution to the problems being faced by the students. The NEET paper leak protest has gripped the nation in the Jantar Mantar protest, which has been on for over a month and a half now. The students have been demanding the resignation of Union Education Minister Dharmendra Pradhan due to the paper leak. Meanwhile, Tendulkar reacted to the protests, sharing an anecdote from his teachings from his father Ramesh Tendulkar, who was a professor by profession. "My father was a professor. He was a mentor and guide to many young students. One lesson that he instilled early on was, 'Failure is okay, cheating is not. Never take shortcuts,'" Tendukar wrote in a social media post on X. "As adults in society, we have the responsibility of shaping culture. A society which prioritises outcomes over effort will seek shortcuts over meritocracy. Today, when students feel disappointed that their hard work hasn't been rewarded, it is understandable. Collectively, we should all work together towards ensuring they don't feel this way again," he further added. Tendulkar put his weight behind the students, calling them 'young India' and the 'fuel to our success'. "Young India is full of dreams and energy. They are the fuel to our success. As a society, all of us, including parents, teachers, friends, relatives, schools, and administrators, have a massive responsibility and different roles to play in ensuring our youth remain encouraged and energised.

India break title hangover hoodoo to register first win under Shreyas Iyer in Zimbabwe

India's T20 title hangover seems to have ended as the Men in Blue broke the hoodoo with a crucial win in the first T20I of the three-match series against Zimbabwe on Thursday, July 23, at the Harare Sports Club.

Shreyas Iyer, Ishan Kishan and Vaibhav Sooryavanshi led the Men in Blue in the middling chase of 126 to mark India's first win after seven winless games in T20Is. Sooryavanshi slammed a record-breaking fifty, becoming the youngest-ever player to have hit an international fifty. He scored a stroke-filled 50 from 18 balls before departing on the very next delivery. However, Ishan Kishan and captain Shreyas Iyer joined hands to keep the momentum up, and while Kishan was dismissed caught at covers, Shreyas and vice-captain Tilak Varma powered the visitors to a seven-wicket win with 40 balls to spare.

During his 19-ball 50, Sooryavanshi broke several huge records. Apart from becoming the youngest-ever half-centurion in international cricket, he is also the youngest Indian to have scored a half-century across the three formats and also the youngest to have hit a T20I fifty.

At 15y and 118d, Sooryavanshi broke Nepal's Kushal Malla's record for the youngest international half-centurion.

Lovlina Borgohain confirms India's first medal in Commonwealth Games

India opened their account at the 2026 Commonwealth Games before the opening ceremony.

Boxer Lovlina Borgohain became the country's first confirmed medallist after securing a direct place in the women's 75kg semifinals.

The Olympic medallist from Assam received a bye into the last four of her category, guaranteeing herself at least a bronze medal.

Under Commonwealth Games boxing rules, all losing semifinalists finish with bronze medals, ensuring Lovlina a podium finish before her first bout in Glasgow. Notably, Lovlina will begin her campaign on July 31, when she faces T.K.B.P. Taafaki for a place in the gold medal match. A victory would send the Indian boxer into the final, while defeat would still leave her with the bronze already assured.

ब्रेन कैंसर के इन शुरुआती लक्षणों को लोग समझ लेते हैं तनाव, कहीं आप भी तो नहीं कर रहे नजरअंदाज?

ब्रेन कैंसर एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है। अगर इसके लक्षणों की बात करें, तो सिर दर्द, थकान और ध्यान केंद्रित करने में परेशानी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है और यहीं पर लोगों से भूल हो जाती है। गुरुग्राम स्थित आर्टेमिस हॉस्पिटल्स में न्यूरोसर्जरी और सीएनएस रेडियोसर्जरी के चेयरपर्सन और साइबरनाइफ सेंटर के सह-प्रमुख डॉ. आदित्य गुप्ता कहते हैं कि ज्यादातर लोग इसे तनाव या काम के दबाव का असर मान लेते हैं। क्योंकि तनाव के कारण भी सिर दर्द और थकान जैसी परेशानी होती है। लेकिन कई बार यह लक्षण ब्रेन कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का शुरुआती संकेत हो सकता है। तो अगर ऐसे में यह समस्याएं लगातार बढ़ती जाए या बनी रहे, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए।

डॉ. आदित्य गुप्ता कहते हैं कि ब्रेन कैंसर की शुरुआती लक्षणों में लगातार सुबह के समय में सिर दर्द होता है, बार-बार उल्टी होती है, धुंधला दिखाई देता है और शरीर के किसी हिस्से में कमजोरी या सुन्नपन संतुलन बिगड़ना और चलने में कठिनाई भी शामिल होती है। कुछ लोगों में याददाश्त कमजोर होना, बोलने में दिक्कत दौरे पड़ने जैसे भी संकेत हो सकते हैं। यह सारे लक्षण तनाव, माइग्रेन और कई बार नींद की कमी से मिलते जुलते लगते हैं। यही वजह है कि लोग इसे उतना गंभीर नहीं लेते हैं और डॉक्टर के पास जाने में देरी करते हैं। लेकिन ध्यान रखने वाली बात यह है कि अगर यह बार बार हो, यानी सर दर्द बार-बार हो और नॉर्मल ओवर द काउंटर दावों से ठीक ना हो, समय के साथ बढ़ता जाए और साथ में उल्टी-धुंधला दिखने जैसे लक्षण नजर आए, तो तुरंत न्यूरोलॉजिस्ट से सलाह लेनी चाहिए। समय पर सही इलाज से कई मामलों में जान बचाई गई है। बेहतर होगा कि कोई भी असामान्य बदलाव को नजरअंदाज करने की बजाय डॉक्टर की सलाह लें।

35 की उम्र पार कर चुके पुरुषों को जरूर कराने चाहिए ये हेल्थ चेकअप्स

पुरुषों के कंधों पर एक उम्र के बाद कई तरह की जिम्मेदारियां आ जाता है। ऐसे में जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने के लिए उनका स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है। लेकिन आज कल पुरुष अपनी हेल्थ को नज़रअंदाज कर सभी का ध्यान रखने की कोशिश करते हैं। यही वजह है कि लोग कम उम्र में ही बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। खासकर 35 की उम्र पार करते ही पुरुषों का शरीर धीरे-धीरे बदलने लगता है। भागदौड़ भरी जिंदगी, अनहेल्दी डाइट, काम का तनाव के कारण दिल की बीमारी, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याएं खामोशी से शरीर में घर करने लगती हैं। अक्सर शुरुआती चरणों में इन बीमारियों के लक्षण दिखाई नहीं देते, इसलिए इन्हें 'साइलेंट किलर' कहा जाता है।

समय रहते बीमारियों की पहचान करने और एक हेल्दी लाइफ जीने के लिए 35 की उम्र के बाद पुरुषों को नियमित रूप से कुछ जरूरी हेल्थ चेकअप्स जरूर करवाने चाहिए। चलिए जानते हैं। यह ब्लड टेस्ट शरीर में गुड कोलेस्ट्रॉल, बैड कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लीसराइड्स के स्तर की जांच करता है। खराब जीवनशैली के कारण कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना नसों में रुकावट पैदा कर सकता है, जिससे आगे चलकर हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

साल में कम से कम एक बार यह टेस्ट जरूर कराएं। हाई ब्लड प्रेशर को 'साइलेंट किलर' माना जाता है क्योंकि आमतौर पर इसके लक्षण नजर नहीं आते। बढ़ा हुआ बीपी आपकी किडनी, आंखों और दिल को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। डॉक्टर की सलाह से हर 3 से 6 महीने में ब्लड प्रेशर की नियमित जांच कराते रहें। भारत में डायबिटीज के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। फास्टिंग ब्लड शुगर और पिछले 3 महीनों का औसत शुगर बताने वाला HbA1c टेस्ट करवाकर आप प्रीडायबिटीज या डायबिटीज का समय पर पता लगा सकते हैं। इससे शुगर कंट्रोल करना बेहद आसान हो जाता है।

अगर आप नियमित दवाएं लेते हैं, बाहर का खाना ज्यादा खाते हैं या शराब का सेवन करते हैं, तो लिवर और किडनी की सेहत पर असर पड़ सकता है। LFT और KFT टेस्ट के जरिए लिवर एंजाइम्स और किडनी की फिल्टर करने की क्षमता की सही स्थिति का पता चलता है। वहीं, विटामिन B12 की कमी से थकान, कमजोरी और नसों से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।

शरीर में आयरन की कमी को दूर कर सकते हैं ये फूड्स

आजकल लोगों की लाइफस्टाइल इतनी बिगड़ चुकी है कि लोगों में कई तरह के हेल्थ प्रॉब्लम्स देखने को मिल रही है। जिनमें शरीर में आयरन की कमी बहुत आम है। शरीर में आयरन की सही मात्रा होना अच्छे स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। आयरन हमारे शरीर में हीमोग्लोबिन बनाने का काम करता है,जो फेफड़ों से ऑक्सीजन को पूरे शरीर में पहुंचाने का काम करती है। शरीर में इसकी कमी से एनीमिया, लगातार थकान, कमजोरी, सिरदर्द और स्किन का पीला पड़ना जैसी समस्याएं होने लगती हैं। अगर आपके शरीर में भी आयरन का लेवल कम हो रहा है, तो महंगी दवाइयों से पहले अपनी डाइट में सुधार करना सबसे असरदार तरीका है। यहां हम कुछ ऐसे फूड्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे आप अपनी डाइट में शामिल कर आयरन की कमी को पूरा कर सकते हैं। पालक और मेथी जैसी हरी सब्जियां आयरन का बेहतरीन स्रोत हैं। 100 ग्राम उबले हुए पालक में लगभग 3.6 मिलीग्राम आयरन होता है। इसके साथ ही इसमें मौजूद फोलेट और विटामिन-C खून बनाने में मदद करते हैं। चुकंदर में आयरन के साथ-साथ पोटैशियम और फाइबर भरपूर होता है। यह रेड ब्लड सेल्स को एक्टिव करने का काम करता है। जबकि अनार आयरन,कैल्शियम और प्रोटीन से भरपूर होता है,जो खून में हीमोग्लोबिन का लेवल तेजी से बढ़ाने में मदद करता है। शाकाहारी लोगों के लिए दालें आयरन का बड़ा जरिया हैं। एक कप पके हुए राजमा या चने से शरीर को दिन की जरूरत का 20-30% आयरन मिल जाता है। इन्हें स्प्राउट्स के रूप में खाना और भी फायदेमंद होता है। इसके अलावा कद्दू के बीज और तिल में भी भरपूर मात्रा में आयरन पाया जाता है। स्नैक्स के तौर पर इन्हें खाना बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है।

बदलते मौसम में तबीयत हो रही खराब, कहीं कोविड-19 तो नहीं? डॉक्टर ने बताए नए लक्षण

बारिश के मौसम को बीमारियों का मौसम भी कहा जाता है। इस मौसम में रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है जिससे सर्दी, जुकाम, बुखार और कई तरह के इंफेक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है। मानसून के आते ही मच्छरों से होने वाली बीमारियां जैसे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया भी तेजी से फैलती हैं। वहीं पिछले कुछ दिनों में आंध्र प्रदेश, ओडिशा और बिहार में कोविड-19 के केस भी सामने आने लगे हैं। कोविड-10 के बढ़ते खतरे को देखते हुए कई राज्यों में एडवाइजरी भी जारी की गई हैं। आइये डॉक्टर से जानते हैं कोविड-19 के नए लक्षण क्या हैं? डॉक्टर ऋषि यादव (सलाहकार पल्मोनोलॉजिस्ट, यथार्थ अस्पताल, आगरा) ने बताया कि कोविड-19 के नए वेरिएंट्स के सामने आने के बाद इसके लक्षणों में कुछ बदलाव देखने को मिले हैं। हालांकि ज्यादातर मामलों में संक्रमण पहले की तुलना में हल्का होता है, लेकिन इसके शुरुआती लक्षण वायरल बुखार जैसे होने की वजह से लोग अक्सर दोनों में अंतर नहीं कर पाते। कोविड-19 और वायरल संक्रमण, दोनों में बुखार, गले में खराश, खांसी, नाक बहना, शरीर में दर्द, सिरदर्द और थकान जैसी शिकायतें हो सकती हैं। यही वजह है कि कई लोग इसे सामान्य वायरल समझकर घर पर ही इलाज शुरू कर देते हैं। लेकिन अगर बुखार लगातार बना रहे, सांस लेने में तकलीफ महसूस हो, स्वाद या गंध में बदलाव आए या कमजोरी तेजी से बढ़ जाए, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार, नए कोविड वेरिएंट में गले में तेज दर्द, लगातार खांसी, हल्का या तेज बुखार, नाक बंद होना, मांसपेशियों में दर्द और बहुत थकान जैसे लक्षण महसूस होते हैं। कुछ मरीजों में पेट से जुड़ी समस्याएं, जैसे मतली या दस्त भी हो सकते हैं। वहीं सामान्य वायरल बुखार में अधिकांश लोग कुछ दिनों में ठीक होने लगते हैं, जबकि कोविड-19 के कुछ मामलों में लक्षण लंबे समय तक बने रह सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को तेज बुखार, लगातार खांसी या सांस लेने में परेशानी हो वह किसी कोविड-19 संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आया हो, तो डॉक्टर की सलाह लेकर कोविड जांच करवाना बेहतर होता है। यदि लक्षण गंभीर हों या कई दिनों तक बने रहें, तो बिना देरी किए डॉक्टर से सलाह लेना सबसे जरूरी है।

कोर स्ट्रेंथ और डाइजेशन को मजबूत बनाना है? रोज करें नौका संचालनासन का अभ्यास

आधुनिका जीवनशैली, घटती शारीरिक सक्रियता और घंटों एक ही जगह बैठकर काम करने की आदत ने हमारी कोर स्ट्रेंथ और पाचन तंत्र को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। ऐसी स्थिति में 'नौका संचालनासन' एक अत्यंत प्रभावकारी योगाभ्यास है।

'नौका संचालनासन' संस्कृत शब्द है, जो 'नौका' (नाव), 'संचालन' और 'आसान' मुद्रा से मिलकर बना हुआ है। यह गतिशीलता पर आधारित एक ऐसा आसन है, जो पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाते के साथ शरीर में नई ऊर्जा का संचार भी करता है। इसे करने के लिए सबसे मैट पर दोनों पैरों को सामने की ओर सीधा फैलाकर (दंडासन की मुद्रा में) बैठ जाएं। अपनी मुट्ठी को इस तरह बंद करें जैसे आप नाव का चप्पू पकड़ रहे हों। बाहों को सीधा रखते हुए शरीर को जितना हो सके पीछे की ओर ले जाएं और नाभि पर खिंचाव महसूस करें। कमर से आगे की ओर झुकें और हाथों को गोलाकार घुमाते हुए पैरों की उंगलियों की तरफ ले जाएं, ठीक वैसे ही जैसे नाव चलाते समय चप्पू चलाते हैं। इस गोलाकार प्रक्रिया को 8 से 10 बार (चक्र) दोहराएं। इसके बाद, प्रक्रिया को उल्टी दिशा में भी 8 से 10 बार दोहराएं।

गर्भवती महिलाओं (विशेषकर दूसरी और तीसरी तिमाही में), स्लिप डिस्क या रीढ़ की गंभीर समस्याओं से पीड़ित लोगों, और पेट या कूल्हे की सर्जरी कराने वाले लोगों को इस आसन को करने से बचना चाहिए। आयुष मंत्रालय के अनुसार, यह आसन एक बेहतरीन सूक्ष्म व्यायाम है, जो पूरे शरीर को खींचता, मजबूत बनाता और लचीला करता है।

उम्र बढ़ी लेकिन स्वस्थ रहने के साल नहीं, अमेरिकी नागरिक बीमारी के साथ गुजार रहे 14 वर्ष

दुनियाभर में लोग पहले के मुकाबले ज्यादा लंबी उम्र जी रहे हैं, लेकिन इन बढ़े हुए वर्षों का बड़ा हिस्सा लोग बीमारी और शारीरिक परेशानियों के साथ बिता रहे हैं। यह बात 'द लैंसेट पब्लिक हेल्थ' में प्रकाशित अध्ययन 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज (जीबीडी) में सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 1990 से 2023 के बीच दुनिया के लगभग सभी देशों में लोगों के स्वस्थ जीवन और कुल जीवन के बीच का अंतर बढ़ा है। इसे मॉर्बिडिटी गैप (स्वास्थ्य असमानता) कहा जाता है, यानी व्यक्ति अपनी जिंदगी के कितने साल खराब स्वास्थ्य के साथ बिताता है। 1990 में यह अंतर औसतन 8.8 साल था, जो 2023 में बढ़कर 10.7 साल हो गया। इसका मतलब है कि आज लोग पहले की तुलना में लगभग दो साल ज्यादा बीमारी या किसी न किसी शारीरिक परेशानी के साथ जी रहे हैं। अध्ययन में यह भी सामने आया कि 1990 में वैश्विक औसत जीवन प्रत्याशा 64.6 साल थी, जो 2023 में बढ़कर 73.8 साल हो गई। वहीं स्वस्थ जीवन प्रत्याशा 55.9 साल से बढ़कर 63.1 साल पहुंची। यानी लोगों की उम्र तो लगभग नौ साल बढ़ी, लेकिन पूरी तरह स्वस्थ रहने के साल सिर्फ सात साल ही बढ़ पाए। यही वजह है कि बीमारी के साथ बिताए जाने वाले साल लगातार बढ़ रहे हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ वॉशिंगटन के इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मैट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (आईएचएमई) के निदेशक और अध्ययन के वरिष्ठ लेखक डॉ. क्रिस्टोफर जे.एल. का कहना है कि भविष्य में स्वास्थ्य व्यवस्था का लक्ष्य केवल लंबी जिंदगी नहीं, बल्कि बेहतर और स्वस्थ जिंदगी होना चाहिए।

वॉक में वॉर्मअप और कूलडाउन होना कितना जरूरी है? इस तरह टहलने से मिलेगा और भी ज्यादा फायदा

फिटनेस बनाए रखनी है तो रोजाना वॉक करना शुरू कर दें। खासतौर से वो लोग जो फिजिकल एक्टिविटी के नाम पर एक्सरसाइज और योगा से दूर भागते हैं उनके लिए वॉक अच्छा स्टेप हो सकता है। रोजाना वॉक करने से शरीर से कई बीमारियां दूर भागती है। मोटापा कंट्रोल रहता है और पूरी सेहत पर इसका सकारात्मक असर दिखाई देता है। अगर सही तरीके से वॉक की जाए तो इसके फायदे वाकई मैजिकल हो जाते हैं। वॉक से पहले हल्का वॉर्मअप और वॉक खत्म करने के बाद शरीर को कूलडाउन करना जरूरी है।

जानिए ऐसा क्यों कहा जाता है?

वॉक स्टार्ट करने से पहले कुछ मिनट का वॉर्मअप जरूर करें। वार्म अप करने का सबसे अच्छा तरीका धीरे-धीरे चलना है। यानि पहले छोटे-छोटे स्टेप्स लें। जिससे मांसपेशियों को वार्मअप के लिए समय मिल पाए। शुरुआत में आराम से वॉक शुरू करें और फिर स्पीड बढ़ाएं। वॉक से पहले पैरों की मांसपेशियों को धीरे-धीरे स्ट्रेच करें। खास तौर से अपनी पिंडलियों और आगे और पीछे की जांघों को स्ट्रेच करें। पैरों को करीब 20 सेकंड तक स्ट्रेच करते रहें। अगर ज्यादा दर्द या खिंचाव महसूस हो तो थोड़ा रुक जाएं। वॉर्मअप के वक्त एकदम से उछलें या झटके न दें। कई बार ऐसा करने से मांसपेशियों के ऊतकों में जरूरत से ज्यादा खिंचाव आने लगता है।

सोते समय हाथ पैरों का सुन्न होना किस बीमारी के हैं लक्षण, जानिए कैसे दूर करें ये समस्या

दिनभर की थकान बिस्तर पर लेटकर ही दूर होती है। लेकिन कई बार रात में कुछ परेशानियां बढ़ने से नींद में खलल पड़ जाती है। कई बार इतनी थकान हो जाती है कि जल्दी नींद नहीं आती और कई बार हाथ पैरों में दर्द होने लगता है। वहीं कुछ लोगों को रात में सोते समय हाथ-पैर सुन्न होने की समस्या होने लगती है। हाथ-पैरों में झनझनाहट होने लगती है और धीरे-धीरे हाथ पैर सुन्न होने लगते हैं। कभी ऐसा हो तो घबराने की जरूरत नहीं है लेकिन अक्सर ऐसा होना चिंता की बात हो सकती है। दरअसल हाथ-पैर सुन्न होने की वजह ब्लड सर्कुलेशन ठीक से नहीं होना है। खून में ऑक्सीजन की सप्लाई ठीक से नहीं हो रही है। जानिए रात में हाथ पैर सुन्न होना कौन सी बीमारी का लक्षण है?

विटामिन बी की कमी- अगर शरीर में विटामिन बी की कमी बहुत बढ़ गई है तो ऐसा हो सकता है। विटामिन बी कोशिकाओं को हेल्दी रखने और एनर्जी देने का काम करता है। विटामिन बी की कमी से शरीर में सुन्न होने और हाथ पैरों में झुनझुनाहट होने की समस्या होने लगती है। इसलिए विटामिन बी से भरपूर डाइट जरूर लें।

नस दबने के कारण- कई बार किसी एक नस के दबने के कारण भी हाथ-पैरों में सुन्नता हो सकती है।

कम हो जाएगा लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा, हर रोज नियम से खाएं ये ड्राई फ्रूट्स

खराब लाइफस्टाइल और अनहेल्दी डाइट प्लान को फॉलो करने की वजह से लिवर हेल्थ बुरी तरह से डैमेज हो सकती है। अगर आप भी अपने लिवर को खराब होने से बचाना चाहते हैं तो अपने खान-पान को हेल्दी और संतुलित बनाए रखने की कोशिश कीजिए।

लिवर की सेहत को मजबूत बनाए रखने के लिए पोषक तत्वों से भरपूर इन ड्राई फ्रूट्स को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना लीजिए।

पिस्ता- पिस्ता में पाए जाने वाले तत्व लिवर को कई बीमारियों के हमले से बचा सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि हर रोज सही मात्रा में और सही तरीके से पिस्ता खाने से आप अपने लिवर को काफी हद तक मजबूत बना सकते हैं।

अखरोट- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अखरोट को भी लिवर के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। रेगुलरली अखरोट का सेवन करने से आप अपने लिवर को डिटॉक्ट कर सकते हैं। इसके अलावा अखरोट में पाए जाने वाले तत्व लिवर की सूजन को कम करने में भी कारगर साबित हो सकते हैं।

किशमिश- किशमिश में पाए जाने वाले तमाम तत्व लिवर के काम करने की क्षमता पर पॉजिटिव असर डाल सकते हैं।

क्या है 3-3-3 वॉकिंग फॉर्मूला? क्या वाकई इससे घटता है वजन?

आज के समय में मोटापा एक कॉमन प्रॉब्लम है। मोटापे की समस्या से परेशान लोग वजन घटाने के लिए कई तरह के फॉर्मूला अपनाते हैं। ऐसे में इन दिनों वजन घटाने और फिटनेस की दुनिया में आजकल 3-3-3 वॉकिंग फॉर्मूला काफी लोकप्रिय हो रहा है। जापान की शिनशू यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा खोजा गया यह वॉकिंग मेथड नॉर्मल वॉकिंग की तुलना में अधिक असरदार माना जाता है। ऐसा माना जा रहा है कि इस वॉकिंग फॉर्मूला से तेजी से वजन घटाने में मदद मिलती है। चलिए जानते हैं। 3-3-3 वॉकिंग फॉर्मूला दरअसल इंटरवल वॉकिंग का ही एक रूप है। इसमें आपको एक ही रफ्तार में चलने के बजाय अपनी रफ्तार को समय-समय पर बदलना होता है। इस वॉकिंग फॉर्मूला में आप 3 मिनट सामान्य या धीमी रफ्तार से वॉक करते हैं। इसमें आराम से टहलें ताकि हार्ट रेट नॉर्मल रहे। इसके बाद 3 मिनट तेज़ वॉक करें। इसमें अपनी रफ्तार बढ़ाएं, बांहों को चलाएं और इतनी तेज़ चलें कि सांस थोड़ी फूले। फिर इसी प्रक्रिया को 3 से 5 बार दोहराएं। नॉर्मल वॉकिंग की तुलना में 3-3-3 फॉर्मूला वजन घटाने में ज्यादा कारगर साबित होता है। जब आप धीमी और तेज़ गति के बीच बदलाव करते हैं, तो शरीर को अधिक एनर्जी लगानी पड़ती है। इससे नॉर्मल वॉक के मुकाबले ज्यादा कैलोरी बर्न होती है। हाई और लो इंटेंसिटी का यह कॉम्बिनेशन मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है और इंसुलिन सेंसिटिविटी में सुधार करता है। लगातार भागने या जिम जाने की तुलना में 18-30 मिनट की यह वॉक जोड़ों पर दबाव नहीं डालती, जिससे इसे लंबे समय तक कर पाना आसान होता है।

कार्डियो सेहत और स्टैमिना: जब आप 3 मिनट तेज़ चलते हैं, तो आपकी धड़कन बढ़ती है जिससे दिल की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। अगले 3 मिनट धीमा चलने से रिकवरी का समय मिलता है।

मेटाबॉलिज्म और वजन नियंत्रण: रफ्तार बदलने के कारण शरीर को प्लेटो में जाने का मौका नहीं मिलता। यह आफ्टरबर्न इफेक्ट को बढ़ावा देती है, जिससे वॉक के बाद भी कैलोरी बर्न होती रहती है।

ब्लड शुगर और बीपी नियंत्रण: शोध के अनुसार, नॉर्मल वॉक की तुलना में इंटरवल वॉकिंग इंसुलिन संवेदनशीलता बढ़ाने और बीपी को कंट्रोल करने में मददगार है।

विशेषज्ञों के अनुसार 3-3-3 वॉकिंग फॉर्मूला अपनाने से पहले अपनी उम्र, फिटनेस स्तर और स्वास्थ्य संबंधी स्थिति का ध्यान रखना जरूरी है। यदि किसी व्यक्ति को हृदय रोग, गंभीर जोड़ों की समस्या, सांस संबंधी बीमारी या अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, तो इस तरह की इंटरवल वॉकिंग शुरू करने से पहले चिकित्सक की सलाह अवश्य लेनी चाहिए। वॉकिंग के दौरान सही मुद्रा बनाए रखना भी बेहद महत्वपूर्ण है।

सांप से कटवा कर पति को मारने वाली दामिनी का होगा प्रेग्नेंसी टेस्ट, जेल में असाइन हुआ काम; मुस्कान भी है साथ

सांप से कटवा कर पति को मौत की नींद सुलाने वाली जेल में बंद दामिनी का प्रेग्नेंसी टेस्ट होगा। दामिनी को उसके प्रेमी तुषार के साथ पुलिस ने अभी हाल में ही गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया कि दामिनी ने पति की मौत को दुर्घटना दिखाने के लिए एक सांप का इस्तेमाल किया था। उनका मकसद 20 लाख रुपये का इंश्योरेंस क्लेम पाना और अपना रिश्ता जारी रखना था। मृतक अतुल पंवार पत्नी दामिनी के साथ हस्तिनापुर में किड्स प्ले स्कूल चलाते थे। वह अपने बिस्तर पर मृत पाए गए थे। वरिष्ठ जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा ने बताया कि दामिनी जेल में लाइब्रेरियन और शिक्षिका बन गई है। वह अपने 6 साल के बेटे से मिलना चाहती है। दामिनी को 12B में रखा गया है। उसी बैरक में अपने पति सौरव को प्रेमी के साथ मिलकर मारने वाली मुस्कान भी बंद है। इसी तरह पति को मौत देने वाली कोमल और अंजलि 12 B में बंद है। पति को मौत देने वाली 4 महिलाएं एक बैरक में बंद होने से उनका समूह बन सकता है। वरिष्ठ जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा ने बताया है कि मुस्कान और दामिनी एक बैरक में हैं। दोनों में बातचीत होती है, लेकिन अभी तक निजी जिंदगी से जुड़ी बातों को आपस में साझा नहीं किया है। दोनों ने ही प्रेम की खातिर प्रेमी के साथ मिलकर सुहाग को ही उजाड़ दिया।

उत्तराखंड में UTU सेमेस्टर परीक्षा का पेपर लीक करने वाला सहायक प्रोफेसर अरेस्ट, छात्रों को भेजा था प्रश्नपत्र

उत्तराखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी (UTU) की सेमेस्टर परीक्षा से पहले छात्रों को परीक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्न साझा करने के मामले में दून पुलिस ने एक सहायक प्रोफेसर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आशीष कुमार गुप्ता (40) के रूप में हुई है, जो शिवालिक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, झाझरा में सहायक प्रोफेसर के पद पर तैनात है। पुलिस के मुताबिक, 8 जुलाई 2026 को आयोजित UTU की सेमेस्टर परीक्षा को लेकर विश्वविद्यालय को एक ई-मेल के माध्यम से शिकायत मिली थी। इसमें बताया गया कि परीक्षा से पहले 3 जुलाई को सहायक प्रोफेसर ने व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न छात्रों के साथ साझा किए थे। परीक्षा के बाद जब इन प्रश्नों का मिलान प्रश्नपत्र से किया गया तो उनमें काफी समानता पाई गई। इसके बाद विश्वविद्यालय ने मामले की जांच के लिए आंतरिक जांच समिति गठित की। जांच में सामने आया कि आरोपी सहायक प्रोफेसर ने परीक्षा से पहले छात्रों के आंतरिक पोर्टल और व्हाट्सएप के माध्यम से परीक्षा से संबंधित समान प्रश्न साझा किए थे। आरोप है कि आशीष कुमार गुप्ता ने छात्रों को अनुचित लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली की गोपनीयता भंग की।

DRDO ने किया कुशा मिसाइल का सफल परीक्षण, हवा में ही दुश्मन को खत्म करेगी

डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) ने गुरुवार को कुशा मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। ओडिशा के तट पर एपीजे अब्दुल कलाम आइलैंड से 'कुशा' लॉन्ग-रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल का पहला फ्लाइट टेस्ट सफलतापूर्वक किया गया। यह पहला टेस्ट एक इलेक्ट्रॉनिक टारगेट के खिलाफ किया गया था, जो हाई-स्पीड और हाई-एल्टीट्यूड हवाई खतरे की नकल कर रहा था, जिसे मिसाइल सिस्टम ने सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट कर लिया। इससे पहले भारत रुद्रम-II मिसाइल का सफल परीक्षण कर चुका है।

'कुशा' मिसाइल सिस्टम कई तरह के हवाई खतरों को बेअसर करने में सक्षम है, जिसमें फाइटर जेट, मिसाइल, अनमैन्ड एरियल व्हीकल और बड़े दुश्मन एयरक्राफ्ट शामिल हैं, जो एक बड़ी रेंज और ऊंचाई के दायरे में आते हैं। मिसाइल, रडार, कमांड और कंट्रोल सेंटर सहित सभी वेपन सिस्टम एलिमेंट्स को अलग-अलग डीआरडीओ लैब्स और इंडस्ट्री पार्टनर्स ने डेवलप किया है। मैं इस उपलब्धि के लिए डीआरडीओ और दूसरे स्टेकहोल्डर्स को बधाई देता हूं।

'सोनम बस हो गया, इसे और आगे मत बढ़ाओं', सलमान खान ने फिर किया पोस्ट; छात्रों से घर जाने को कहा

नीट पेपर लीक विवाद पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर इस वक्त प्रदर्शनकारियों की भारी भीड़ है। मौके पर भारी फोर्स की तैनाती की गई है। प्रदर्शनकारी लगातार नारेबाजी कर रहे हैं। इस बीच बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ने छात्रों से घर लौटने की अपील की है। सलमान खान ने पेपर लीक के मुद्दे पर छात्रों के आंदोलन को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। सलमान खान ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा कि मुझे यकीन है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पेपर लीक के लिए जिम्मेदार सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। इसलिए छात्रों प्लीज अपने माता-पिता के पास और घर लौट जाइए। खास बात यह है कि छात्रों के प्रोटेस्ट को लेकर सलमान खान का 24 घंटे के अंदर दूसरा पोस्ट है। सलमान खान ने लिखा है, ''पढ़ाई और सुरक्षा, दोनों ही मामलों में छात्र हमारी पहली प्राथमिकता हैं इसलिए उन्हें और उनके माता-पिता को चिंता करने की जरूरत नहीं है। माननीय प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया है और मुझे यकीन है कि वे इस पेपर लीक के लिए जिम्मेदार सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। इसलिए छात्रों, प्लीज अपने माता-पिता के पास और घर लौट जाइए। आगे उन्होंने लिखा है, "सोनम, बस हो गया। इसे और आगे मत बढ़ाओ। अगर जरूरत पड़ी तो इस जज्बे को किसी और दिन के लिए बचाकर रखना (हालांकि मुझे नहीं लगता कि जरूरत पड़ेगी) और कुछ खा-पी लो। अगर चाहो तो मैं घर से खाना भेज दूंगा।" बता दें कि इससे एक दिन पहले सलमान खान ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन की तारीफ करते हुए सरकार से कड़े कदम उठाने की अपील की थी।

सलमान खान ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा था कि छात्रों का आंदोलन शांतिपूर्ण था और इसे हिंसक होते देख उन्हें काफी दुख हुआ। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान घायल हुए छात्रों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना जताई थी। सलमान ने कहा था कि यह मुद्दा छात्रों और शिक्षा व्यवस्था के बीच का है और इसे राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन का श्रेय केवल हमारे देश के छात्रों को ही मिलना चाहिए। साथ ही सलमान ने उम्मीद जताई थी कि सरकार भी छात्रों को पूरा समर्थन देगी और शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाएगी।

यह सभी के लिए फायदेमंद स्थिति है। सलमान ने सकारात्मक फैसले की उम्मीद और प्रार्थना की है। उन्होंने लिखा कि जो लोग शिक्षित होना चाहते हैं, उन सभी पर ईश्वर की कृपा बनी रहे। उधर, कॉकरोच जनता पार्टी ने कल देशभर में किया प्रदर्शन का ऐलान किया है। पार्टी की ओर से कहा गया है कि ये प्रदर्शन देश के सभी राज्यों और उनके जिलों में होगा।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और भविष्य में पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी तंत्र विकसित करने की मांग दोहराई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि लाखों विद्यार्थियों की मेहनत और भविष्य से जुड़े मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। मौके पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों की अतिरिक्त तैनाती की गई है।

राहुल गांधी इंडिया ब्लॉक के सांसदों के साथ सड़क पर उतरे, गांधी स्मृति स्थल पर प्रदर्शन

पेपर लीक मामले पर केंद्र सरकार पर हमलावर राहुल गांधी आज फिर सड़क पर उतर गए हैं। राहुल गांधी इंडिया गठबंधन के सांसदों के साथ 30 जनवरी मार्ग गांधी स्मृति स्थल पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बस में सवार होकर वह विपक्षी सांसदों के साथ गांधी स्मृति स्थल पहुंचे।

गांधी स्मृति पहुंचने पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, "हमारे नेता महात्मा गांधी की हत्या यहीं हुई थी। आज मोदी सरकार भारत में लोकतंत्र की हत्या कर रही है। छात्रों पर जुल्म कर रही है और उन्हें पीट रही है। विपक्ष इसे स्वीकार नहीं करेगा। हम छात्रों के साथ हैं और नरेंद्र मोदी को शिक्षा मंत्री को हटाना होगा और माफ़ी मांगनी होगी।" वहीं, कांग्रेस नेता और NSUI के सदस्य गांधी स्मृति के बाहर राहुल गांधी के समर्थन में नारे लगा रहे हैं। प्रदर्शनकारी सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी कर रहे हैं। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं।

लगातार पेपर लीक हो रहे हैं। इसे रोकने के लिए कुछ नहीं किया गया है। कोई जवाबदेही तय नहीं की गई है। हम छात्रों की मांग को उठा रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि हम उन छात्रों को याद करने जा रहे हैं जिन्हें हमने खो दिया। वे बच्चे जिन्हें NEET पेपर लीक के बाद अपनी जान देने के लिए मजबूर होना पड़ा। हम उन छात्रों के साथ खड़े होने जा रहे हैं, जो घायल हैं, जिन्हें न्याय और जवाबदेही की शांतिपूर्ण मांग करने पर पीटा गया। भारत के छात्र अकेले नहीं हैं। पूरा विपक्ष उनके और उनकी मांगों के साथ खड़ा है।

इस बीच राहुल गांधी के आवास के बाहर दिल्ली पुलिस की मौजूदगी बढ़ाई गई है। यह बैठक NEET-UG पेपर लीक विवाद को लेकर संसद में बने गतिरोध के बीच हो रही है, जिसमें विपक्ष ने चर्चा के लिए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और राज्यसभा के नियम 267 के तहत चर्चा की मांग रखी है।

प्रदर्शनकारी छात्रों को झूठे ड्रग्स केस में फंसाने की धमकी देने वाले पुलिसकर्मी पर कार्रवाई, महाराष्ट्र में 90 जगहों पर प्रदर्शन

गृहराज्य मंत्री योगेश कदम ने बताया कि प्रदर्शनकारी छात्रों को धमकी देने वाले पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

महाराष्ट्र में प्रदर्शनकारी छात्रों को झूठे ड्रग्स केस में फंसाने की धमकी देने वाले पुलिसकर्मी को काम से हटा दिया गया है। महाराष्ट्र के गृहराज्य मंत्री और शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता योगेश कदम ने विपक्ष द्वारा वायरल किए गए पुलिसकर्मी के वीडियो पर कहा कि संबंधित कॉन्स्टेबल/ड्राइवर का व्यवहार पूरी तरह गलत था। सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए उसके खिलाफ कार्रवाई कर दी है। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे मामलों को लेकर संवेदनशील है और उचित कदम उठा रही है। गृह राज्यमंत्री ने बताया कि बुधवार तक महाराष्ट्र में 90 स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। वीबीए ने कई इलाकों में बंद का ऐलान किया।

योगेश कदम ने कहा कि छात्रों के आंदोलन की आड़ में कुछ असामाजिक तत्व भी शामिल हो सकते हैं। इसलिए सरकार और पुलिस सोशल मीडिया पर नजर रखे हुए हैं, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे। डिजिटल नोटिस भेजने और आंदोलनकारियों की लोकेशन ट्रैक करने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि इसमें कोई सच्चाई नहीं है। सरकार किसी की अवैध निगरानी नहीं कर रही है। जिन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है, उनके खिलाफ केवल कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जा रही है। कांग्रेस ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो की जांच की मांग की। इस वीडियो में कथित तौर पर मुंबई का एक पुलिसकर्मी छात्र प्रदर्शनकारियों को ड्रग्स के झूठे मामलों में फंसाने की धमकी देता दिखाई दे रहा है। पार्टी ने इस घटना को "खाकी में गुंडागर्दी" करार दिया। इस वीडियो में कथित तौर पर एक पुलिस वाहन चालक विद्यार्थियों को यह कहते हुए दिखाई दे रहा है कि यदि उन्होंने प्रदर्शनों में हिस्सा लिया तो उन्हें ड्रग्स के झूठे मामलों में फंसा दिया जाएगा और उन्हें पूरी जिंदगी जेल में बितानी पड़ेगी। मुंबई कांग्रेस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "यदि यह सच है तो यह केवल छात्रों को डराने की कोशिश नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा हमला है। अपनी आवाज उठाना कोई अपराध नहीं है। विद्यार्थियों के सवालों का जवाब जवाबदेही के साथ दिया जाना चाहिए, धमकियों के साथ नहीं।"

उदयपुर में चौथी मंजिल से कूदी 12वीं की छात्रा, CCTV में कैद चौंकाने वाली मौत; सुसाइड नोट ने बढ़ाया रहस्य

राजस्थान के उदयपुर जिले में एक बिल्डिंग की चौथी मंजिल से 17 साल की छात्रा कूद गई। घटना के तुरंत बाद उसे हॉस्पिटल ले जाया गया लेकिन कुछ समय बाद ही उसने दम तोड दिया। यह पूरा घटनाक्रम सामने एक घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। घटना के बाद पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें लिखा हुआ था कि मेरे पापा-मम्मी की कोई गलती नहीं है। छात्रा एक प्राइवेट स्कूल में 12वीं में पढ़ती थी। वह स्कूल से सीधे ही निर्माणाधीन बिल्डिंग पर पहुंची। इसके बाद चौथी मंजिल पर जाकर छलांग लगा दी और इमारत के चबूतरे से टकराते हुए नीचे गिरी। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। घायल छात्रा को हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां से गंभीर हालत में उदयपुर के लिए रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान छात्रा की मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंचे थानाधिकारी ने बताया कि छात्रा स्कूटी से निर्माणाधीन बिल्डिंग के बाहर पहुंची।

स्कूटी बाहर खड़ी की और बिल्डिंग में जाने लगी। जब इमारत में काम कर रहे मजदूरों ने उसे रोका तो वह बोली कि अंदर बॉल गई है, उसे लेने जा रही है। इसके बाद वह सीधे चौथी मंजिल पर पहुंची और नीचे कूद गई। मजदूरों की सूचना पर पुलिस पहुंची और छात्रा को हॉस्पिटल भिजवाया। उदयपुर में इलाज के दौरान छात्रा की मौत हो गई। छात्रा की स्कूटी से एक लेटर मिला। इसमें लिखा हुआ था कि मेरे पापा-मम्मी की कोई गलती नहीं है। आई लव यू पापा-मम्मी। थानाधिकारी ने बताया कि अभी सुसाइड का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है।

परिवार के सदस्य भी अभी उदयपुर अस्पताल में हैं। वहीं, स्कूल प्रशासन ने बताया कि स्कूल में छात्रा आराम से पढ़ाई कर रही थी। ऐसी कोई बात या कोई संदेह किसी को नहीं था। हम भी घटना से हैरान हैं। बता दें कि एक हफ्ते पहली ही कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में भी एक चौंकाने वाला मामला सामने आया था, जहां एक 7वीं कक्षा के छात्र ने फांसी लगाकर सुसाइड की कोशिश की। आत्मघाती कदम उठाने से पहले छात्र ने अपनी बहन को इसकी जानकारी दी थी। घटनास्थल से मिले सुसाइड नोट को जब्त कर लिया गया है और उसकी जांच की जा रही है।

दिल्ली में CJP प्रदर्शन के दौरान हिंसा करने वालों के पासपोर्ट रद्द करने की तैयारी, पुलिस ने शुरू की जांच

दिल्ली में 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई थी। इसमें कई प्रदर्शनकारी छात्र और पुलिसकर्मी घायल हुए थे। अब पुलिस ने हिंसा करने वाले लोगों की पहचान करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस से जुड़े सूत्रों के अनुसार कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान हिंसा में सीधे तौर पर शामिल पाए जाने वाले लोगों के पासपोर्ट रद्द किए जा सकते हैं। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि दिल्ली पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, वीडियो रिकॉर्डिंग और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के माध्यम से उन लोगों की पहचान शुरू कर दी है, जो प्रदर्शन के दौरान दंगा और अन्य हिंसक गतिविधियों में सीधे तौर पर शामिल थे। सूत्रों के अनुसार, हिंसा में सक्रिय रूप से शामिल पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी प्रावधानों के अनुसार पासपोर्ट रद्द करने की कार्रवाई शुरू की जा सकती है। दिल्ली में 20 जुलाई को प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प हुई थी। पुलिस ने संसद भवन की तरफ बढ़ रहे छात्रों पर लाठीचार्ज किया था। वहीं, प्रदर्शनकारियो ने भी हिंसा की थी और पत्थर चलाए थे। इस दौरान 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए थे। कई प्रदर्शनकारी छात्रों को भी चोटें आई थीं। अब दिल्ली पुलिस ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। हिंसा करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो चुकी है। इस बीच कई वकीलों ने प्रदर्शनकारियों को कानूनी मदद देने का भी वादा किया है।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक गजेंद्र सिंह राठौड़ के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व प्लॉट नंबर - 12 सी, श्री राम नगर विस्तार, स्कीम 12सी, झोटवाड़ा, जयपुर, राजस्थान - 331403 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJBIL/26/A5611 प्रबंध सम्पादक - गजेंद्र सिंह राठौड़, मो. 9461119998, E-mail: info@zoomnews.in